RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:319 ता. 14 जून 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दांव पर भाजपा के रिश्ते, तमिलनाडु से लेकर हरियाणा तक साथी नाराज

भाजपा हरियाणा में जननायक जनता पार्टी के साथ सरकार में है और दुष्यंत चौटाला उपमुख्यमंत्री हैं। अब भाजपा के प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब की निर्दलीय विधायकों के साथ मुलाकात ने सियासी पारा बढ़ाया है।

नई दिल्ली। अब तमिलनाडु में भी भारतीय जनता पार्टी के साथी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम यानी AIADMK नाराज नजर आ रहे हैं। हालांकि, केंद्र में सत्तारूढ़ दल से साथियों की नाराजगी की अटकलें हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी जारी हैं। खास बात है कि ये सियासी घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहे हैं, जब पार्टी 2024 लोकसभा चुनाव के लिए कवायद तेज कर रही है और विपक्ष एकजुटता की बातें कर रहा है।

तमिलनाडु में AIADMK से क्यों ठनी–तमिलनाडु भाजपा के प्रमुख के अन्नामलाई ने राज्य की पहले की कई सरकारों को भ्रष्ट बताया था। उनसे साल 1991 से 1996 के दौर को लेकर सवाल किया गया था। खास बात है कि उस दौरान दिवंगत जयललिता सरकार में थीं। अब इस बात पर भाजपा और द्रविड़ में फिर नाराजगी बढ़ती नजर आ रही है। पूर्व मंत्री डी जयकुमार ने जमकर नाराजगी जाहिर की और दिल्ली नेतृत्व से इसपर सवाल किया है।

उन्होंने कहा, क्या यह अन्नामलाई का मकसद है कि 2024 लोकसभा चुनाव में AIADMK-BJP गठबंधन कोई सीट न जीते और नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहिए? क्या उनकी गतिविधिया इस ओर नहीं जा रही हैं। उन्होंने अन्नामलाई के बयान को अस्वीकार्य बताया है।

हरियाणा में जेजेपी है नाराज?

भाजपा हरियाणा में जननायक जनता पार्टी के साथ सरकार में है और दुष्यंत चौटाला उपमुख्यमंत्री हैं। अब भाजपा के प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब की निर्दलीय विधायकों के साथ मुलाकात ने सियासी पारा बढ़ा दिया है। साथ ही वह उचाना सीट से भाजपा प्रत्याशी की जीत का दावा कर चुके हैं। खास बात है कि चौटाला का इस सीट पर प्रभाव है और वह यहां से मैदान में उतर सकते हैं।

कहा जा रहा है कि पहलवानों के विरोध प्रदर्शन ने भी दोनों दलों में दूरी बढ़ाई है। हालांकि, चौटाला और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर दोनों ही नेता मतभेद की अटकलों से इनकार कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में क्या चल रहा है

बीते साल जून-जुलाई में सरकार में आए भाजपा और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समूह में बयानबाजी चलती रही है। ताजा संकट शिंदे समूह के मंत्रियों के प्रदर्शन को लेकर उठता नजर आ रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि भाजपा आलाकमान ने शिवसेना के कुछ मंत्रियों के काम करने के तरीकों और प्रदर्शन पर नाराजगी जताई है। ऐसे में दोनों दलों के बीच फिर तकरार बढ़ने के आसार हैं। डोंबिवली में स्थानीय भाजपा नेताओं के प्रदर्शन ने भी दोनों दलों में नाराजगी पैदा की है। नौबत यहां तक आ गई थी कि मुख्यमंत्री शिंदे के सांसद बेटे श्रीकांत शिंदे इस्तीफा तक देने की बात कह चुके थे।

दिल्ली में बड़े कांग्रेसी नेता राजेश लिलोठिया की पत्नी की सड़क हादसे में मौत, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व विधायक राजेश लिलोठिया की पत्नी की सोमवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतका की पहचान आनंद पर्वत निवासी मधु लिलोठिया (55) के रूप में हुई है। सोमवार सुबह मधु लिलोठिया कार में सवार होकर कहीं जा रही थीं, तभी एक अन्य वाहन ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, घटना उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में हुई, जहां एक तेज रफ्तार एसयूवी ने कथित तौर पर पीड़ित मधु लिलोठिया की कार को टक्कर मार दी। घटना के बाद एसयूवी चालक मौके से फरार हो गया था, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान सीलमपुर के रहने वाले जैनुल के रूप में हुई है। डीसीपी नॉर्थ सागर सिंह कलसी ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेश लिलोठिया की पत्नी मधु लिलोठिया की सोमवार सुबह उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में सड़क दुर्घटना हो गई। उन्होंने कहा कि उनकी कार एक एसयूवी से टकरा गई थी। प्रथम दृष्टया टक्कर साइड से हुई है। उन्होंने कहा कि आरोपी एसयूवी चालक घटना के तुरंत बाद घटनास्थल से भाग गया था। डीसीपी कलसी ने कहा कि हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल पीड़िता को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डीसीपी ने आगे कहा कि आरोपी को बाद में एसयूवी के रजिस्ट्रेशन नंबर और उसके मालिक की जानकारी के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी की पहचान न्यू सीलमपुर निवासी जैनुल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी एसयूवी चालक के खिलाफ आईपीसी की धारा 279 (तेज ड्राइविंग) और 304 (लापरवाही से मौत) के तहत मामला दर्ज किया है और मामले की आगे की जांच कर रही है।

गुजरात की ओर बढ़ रहा तूफान बिपरजॉय

भुज-राजकोट में 3 की मौत; तटीय इलाकों से 7500 लोगों को शिफ्ट किया गया

पोरबंदर। अरब सागर में उठा तूफान बिपरजॉय गुजरात की ओर बढ़ रहा है। ये तूफान 15 जून की दोपहर को कच्छ जिले के जखौ पोर्ट से टकराने वाला है। इस दौरान 150 किमी/घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। उससे पहले अच्छी बात यह है कि तूफान कुछ कमजोर हुआ है। हालांकि यह अब भी खतरनाक ही है। तूफान के चलते गुजरात के तटीय इलाकों में आंधी-बारिश का दौर जारी है, जिसमें तीन लोगों की मौत की खबर है। इनमें से दो बच्चे भुज के हैं, जिनपर दीवार गिर गई, जबकि राजकोट में एक महिला पर पेड़ गिर गया। गुजरात के तटीय जिलों- कच्छ, पोरबंदर, द्वारका, जामनगर, जूनागढ़ और मोरबी के तूफान प्रभावित इलाकों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। अभी तक 7500 लोगों को शिफ्ट किया जा चुका है। आज से 23 हजार लोगों को शिफ्ट करने का अभियान चलाया जाएगा।

गुजरात के द्वारका से 290 किमी दूर है तूफान

मौसम विभाग के मंगलवार सुबह 9 बजे के अपडेट के मुताबिक, तूफान 8 किमी/घंटे की स्पीड से नॉर्थ-वेस्ट में आगे बढ़ रहा है। तूफान मंगलवार सुबह 5:30 बजे पोरबंदर से 300 किमी, द्वारका से 290 किमी, जखौ पोर्ट से 340 किमी, नालिया से 350 किमी दूर था। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात के 14 जून की सुबह तक उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है, जिसके बाद ये मुड़कर नॉर्थ-नॉर्थ ईस्ट दिशा में आगे बढ़ेगा।

सतपुड़ा भवन की आग 14 घंटे में हुई शांत, एमपी से लेकर दिल्ली तक रातभर रही हलचल; कितना बड़ा नुकसान

भोपाल। भोपाल में मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यालयों वाले सतपुड़ा भवन की आग पर करीब 14 घंटे बाद काबू पा लिया गया है। हालांकि, इमारत के अंदर से अब भी धूआं निकलता दिख रहा है। सेना, दमकल विभाग और सीआईएसएफ की मदद से मंगलवार सुबह आग पर काबू पाया जा सका। सोमवार शाम करीब 4 बजे से भड़की इस आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फिलहाल राहत का काम जारी है। अधिकारियों ने कहा कि आग से कई विभागों के फर्नीचर और दस्तावेज नष्ट हो गए हैं। भोपाल में मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यालयों वाले सतपुड़ा भवन की तीसरी मंजिल पर सोमवार को भीषण आग लग गई थी, जिसके बाद अधिकारियों को आग बुझाने के लिए सेना, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और तेल कंपनियों की दमकल की गाड़ियां मंगवानी पड़ीं। बताया जा रहा है कि, छह मंजिला इमारत में लगी इस भीषण आग में चार मंजिलों का करीब 80 फीसदी हिस्सा चल गया है। इस आग में करीब 12 हजार फाइलें जलने की बात कही जा रही है। भोपाल के जिला कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि मंगलवार सुबह आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। कहीं पर भी अब लपटें नहीं हैं। सेना और सीआईएसएफ सहित सभी एजेंसियां आग बुझाने के लिए एक साथ आईं और अब आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल अंदर कूलिंग का काम जारी है। कल उन्होंने कहा था कि आग इसलिए तेजी फैल गई क्योंकि इमारत में भारी मात्रा में फाइलें जमा हैं और भारी धुएं के कारण दमकलकर्मी अंदर नहीं जा सके। एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह को आग के बारे में अवगत कराया और इसे बुझाने के लिए सहायता मांगी थी। पीएम मोदी ने चौहान को आग पर काबू पाने के लिए केंद्र की ओर से हर संभव सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया था। मुख्यमंत्री चौहान ने रात में ही राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा और तमाम बड़े अधिकारियों को स्थिति का जायजा लेने के लिए सतपुड़ा भवन पहुंचने का भी निर्देश दिया।

पेचकस से आंखें निकाली, फिर ब्लेड से काटा गला; 19 साल की लड़की से बर्बरता की हदें पार

हैदराबाद। तेलंगाना में एक खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां बदमाशों ने 19 साल की लड़की से बर्बरता की सारी हदें पार कर दी। पुलिस को लड़की का शव पानी की एक टंकी से मिला है। शव की हालत देखकर पुलिस के भी होश उड़ गए। हत्या से पहले बदमाशों ने लड़की की पेचकस से आंखें निकाली, फिर ब्लेड जैसे धारदार हथियार से उसका गला काट दिया। मामले में अभी हत्या की वजह का खुलासा नहीं हुआ है। इस भयावह वारदात से पूरे इलाके ने सनसनी पैदा कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना तेलंगाना के विकाराबाद जिले के कदलापुर गांव की बताई जा रही है। रविवार सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने पानी की टंकी से एक लड़की का शव बरामद किया। शव देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि मारने से पहले लड़की के साथ बर्बरता की घई। हालांकि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की असली वजह का खुलासा हो पाएगा। पीटीआई ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि प्रारंभिक जांच में गला काटने के अलावा महिला की आंखों, हाथ और पैरों में चोट के गंभीर निशान पाए गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि पेचकस जैसी चीज से लड़की की आंखों में वार किया गया, फिर ब्लेड जैसे धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लड़की एक अस्पताल में काम करती थी। शनिवार की रात करीब 11 बजे वह घर से बिना बताए घर से निकली थी, जब उसका कोई सुराग नहीं लगा तो उसके पिता ने तलाश शुरू की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अगले दिन कुछ ग्रामीणों ने पानी की टंकी में लड़की का शव देखा और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हत्या के पीछे की सही वजह अभी स्पष्ट नहीं है। मामले की जांच चल रही है।

दिल्ली में आज से बदल जाएगी मौसम की फिजा, आईएमडी ने दिया बादल और आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। दिन-प्रतिदिन बढ़ती गर्मी के बीच दिल्ली की आबोहवा एक बार फिर बदलने वाली है। मौसम में बदलवा के चलते अगले दो से तीन दिन तक दिल्लीवालों को तपिश और उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। गर्मी ने अब अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। राजधानी दिल्ली के लोग सोमवार को उमस और गर्मी में काफी परेशान दिखे। दिल्ली के कई इलाकों में पारा 42 डिग्री के पार चला गया, जबकि वातावरण में मौजूद नमी के चलते दिल्लीवालों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

आज से हवा की दिशा में बदलाव की संभावना

मौसम विभाग का अनुमान है कि बुधवार के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। हवा की दिशा में बदलाव होगा और अरब सागर की ओर से आने वाली हवा अपने साथ नमी लेकर आएगी। इसके चलते गुरुवार और शुक्रवार को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। इससे तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट आएगी।

बता दें कि, दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में सोमवार सुबह से ही तेज चमकदार सूरज निकला रहा। इसके चलते तापमान में तेजी से इजाफा दर्ज किया गया है। रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री नीचे था, लेकिन सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ऊपर दर्ज किया गया। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। अगर रविवार से तुलना करें तो तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। सफदरजंग अस्पताल में न्यूनतम तापमान 28.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह भी सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है।

यहां पर आर्द्रता का स्तर 67 से 40 फीसदी तक रहा। वातावरण में मौजूद इस नमी के चलते ही लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि, दिनभर चली तेज हवा से थोड़ी राहत भी मिली। हवा की रफ्तार कम होने से उमस भरी गर्मी ज्यादा परेशान करती। दिल्ली के कई इलाकों मे सोमवार दिन में अधिकतम पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। इसमें पीतमपुरा, पूसा, स्पोर्ट्स कांप्लेक्स और नजफगढ़ जैसे इलाके शामिल हैं।

मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 41 और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रह सकता है, जबकि हवा की गति 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रहने का अनुमान है।

झारखंड को जल्द मिलेगी वंदेभारत की सौगात, पहला ट्रायल रन पूरा

रांची। रांची-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन का पहला ट्रायल रन पूरा हुआ। 8 डिब्बों वाली यह सेमी हाईस्पीड ट्रेन सोमवार को पटना से सुबह 6ः55 बजे चलकर दोपहर को रांची में निर्धारित समय से 20 मिनट पहले पहुंची। अब लोगों को उम्मीद जगी है कि जल्दी ही झारखंड को इस अत्याधुनिक ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का इंजन सामान्य लोकोमोटिव इंजन की तरह है, इसमें सिर्फ कुछ बदलाव करते हुए सेल्फ प्रोपेल्ड इंजन के रूप में विकसित किया गया है। यह सीधे तौर पर कोच-डिब्बों से जुड़ा हुआ है। सीनियर डीसीएम निशांत कुमार के मुताबिक जिस तरह से विमान में स्पीड बढ़ाने-हाइट में जाने के लिए सिस्टम होता है, उसी तरह इस ट्रेन में नीचे स्पीड बढ़ाने का सिस्टम दिया गया है।

इस अत्याधुनिक ट्रेन में स्पीडो मीटर है

इस अत्याधुनिक ट्रेन में स्पीडो मीटर भी है जिसमें अधिकतम स्पीड 200 किमी प्रति घंटा है। इसमें आगे पीछे 2 इंजन-ड्राइवर ट्रेलर कोच है और 4 लोको स्टाफ के लिए कंट्रोल और बैठने की सुविधा है। इसके अलावा कैमरा का स्क्रीन, मेंटनेंस मेनू, ट्रेन स्टार्ट करने के लिए चाभी पैनल और माइक सहित अन्य स्वचालित सुविधाएं इंजन में कंट्रोल के लिए उपलब्ध है। इसके सभी कोच वाई-फाई सुविधा से लैस हैं।

इन मार्गों से गुजरेगी वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन

गौरतलब है कि ट्रायल रन के दौरान जिस-जिस मार्ग से यह ट्रेन गुजरी, वहां पहसे ही लोग मोबाइल से सेल्फी लेने के लिए खड़े दिखे। रांची स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों और यात्रियों की भीड़ नई ट्रेन को देखने के लिए जुटी थी लेकिन, सुरक्षा कारणों से यात्रियों को ट्रेन के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया गया। ऐसे लोगों ने दूर से ही ट्रेन की तस्वीर उतारी। मौके पर सीनियर डीसीएम निशांत कुमार, मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार, सहायक मंडल आयुक्त अजय शंकर, एसीएम अनिल जरय, सीसीआई दिनेश कुमार, नीरज कुमार, चंदन सिंह, कलावंती सिंह व गुरमीत सिंह समेत कई अधिकारी और कर्मी मौजूद थेष

कोडरमा में दुर्घटना का शिकार होने से बची

लोको पायलट ने बताया कि कोडरमा में ट्रेन रफ्तार में थी। उसी समय पटरी पर गाय को पार होते देखा। आपातकालीन ब्रेक लगाया और रफ्तार धीमी कर दी। गाय के पार होने पर फिर रफ्तार से चलाया गया। इस प्रकार एक दुर्घटना टाल दी गई। तकनीकी टीम ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस जिस रूट पर चल रही है, वे सुंरग, पत्थर व जंगल वाले इलाके हैं। साथ ही घुमावदार रूट है। इसलिए आशंका है कि बरसात के दिनों में इस रूट में लैंड स्लाइड, ट्रैक में पत्थर गरिने सहित अन्य तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं। इससे ट्रेन की रफ्तार में अंतर आ सकता है।

इलेक्ट्रिक मोटर से लैस हैं अत्याधुनिक 8 डिब्बे

गौरतलब है कि इसके 8 डिब्बे इलेक्ट्रिक मोटर से लैस हैं जो इसके पावर को बूस्ट कर 12,000 हॉर्स पावर तक पहुंचा देता है। अपने आधुनिकतम क्षमता के कारण यह ट्रेन का पिकअप और टॉप स्पीड अचानक बढ़ देता है। इस ट्रेन में बिजली ट्रेन के ऊपर लगी पेंटो सिस्टम से मिलती है। लाइन का पावर 25 हजार वॉट होता है। ट्रेन के कोच के नीचे ट्रांसफॉर्मर लगा है जो 25,000 वॉट को कन्वर्ट क जरुरत के हिसाब से ट्रेन चलाने लायक बनाता है। ट्रेन को स्पीड देने वाला मोटर कोच लगा है, यदि चालक टेलर कोच काम करना बंद कर दे तो ट्रेन के बीच में नन ड्राइविंग टेलर कोच में लगे सिस्टम से ट्रेन चलाई जा सकती है।

तेरह साल पहले हुआ था ट्रेन हादसा, परिजनों की तलाश अभी भी जारी

कोलकाता। आज से तेरह साल पहले मुंबई की ओर जा रही ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस हादसे का शिकार हो गई। जिसमें कम से कम 148 लोगों की मौत हुई है और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। लेकिन आज करीब 13 सालों के बाद भी 17 यात्रियों के परिवार को अपने घर के सदस्य के अंतिम दर्शन की तलाश है। दुखी मन में आस लेकर ये लोग आज भी मृत्यु प्रमाण पत्रों के लिए अदालतों और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। पश्चिम बंगाल के रहने वाले 57 साल के राजेश कुमार बत्रा उस हादसे में 12 साल के बेटे सौरव, 17 साल की बेटी स्नेहा और पत्नी को खो चुके हैं। दुख की बात यह है कि बेटे को अस्पताल में मरते हुए देखा, पत्नी के शव को 7 महीनों बाद खोज पाए, लेकिन स्नेहा आज भी लापता है। तीनों यात्री एस 3 में यात्रा कर रहे थे और छुट्टियां मनाने के लिए भिवंडी जा रहे थे। वह बताते हैं कि मैंने उन्हें रात में रवाना किया। अगली सुबह मुझे पश्चिमी मिदनापुर से एक कॉल आया, जिसने बताया कि ट्रेन का हादसा हो गया और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है। तब तक पत्नी और बेटी का कुछ भी पता नहीं था। हम बत्रा अस्पताल पहुंचे, जहां तीन दिनों के बाद बेटे ने दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा, मुझे लिलुआ पुलिस स्टेशन से कॉल आया कि बॉडी नंबर 51 की पहचान इंदू देवी बत्रा के रूप में हुई है और मुझे कोलकाता के मुर्दाघर से शव लेने के लिए कहा गया। अब तक उनकी बेटी का कोई पता नहीं है। ऐसी ही कहानी अपने पिता प्रसनजीत अड्डा को खोज रहीं पोलमी अड्डा, परिवार के चार सदस्यों के गंवाने वाले सॉल्ट लेक के सुरेंद्र कुमार सिंह की है। उस घटना की जांच भी सीबीआई को सौंपी थी, जबकि बालासोर में तीन ट्रेनों की दुर्घटना में 288 लोग जान गंवा चुके हैं। यहां भी सरकार ने सीबीआई को जांच का जिम्मा सौंप दिया है। बहरहाल, ओडिशा की पटरियों पर तो ट्रेनों की वापसी हो गई, लेकिन जिंदगी की पटरी से उतरी सैकड़ों जानें आज भी अस्पताल में संघर्ष कर रही हैं।

मां की हत्या करने के बाद शव को सूटकेस में भरकर थाने पहुंची बेटी

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु शहर में एक बेटी ने अपनी मां की हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को ट्रॉली बैग में भरा और लेकर थाने पहुंच गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यहां एक बेटी ने अपनी मां की हत्या कर दी और उसे ट्रॉली में भरकर खुद पुलिस थाने पहुंच गई। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी बेटी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बेंगलुरु के एक अपार्टमेंट में रहने वाली 39 वर्षीय सेनाली सेन ने कथित तौर पर अपनी मां की हत्या कर दी। इतना ही नहीं, आरोपी ने शव को एक ट्रॉली बैग में भर कर पुलिस स्टेशन ले गई और अपना जुर्म कबूल किया। मृतका की पहचान 70 वर्षीय बिबा पाल के रूप में हुई है। पुलिस को पूछताछ के दौरान पता लगा कि आरोपी महिला अपनी मां, पति और सास के साथ अपार्टमेंट में रहती थी। आए दिन उसकी सास और मां में झगड़ा होता था, तो मृतक धमकी देती थी कि वो नींद की गोली खा लेगी और आत्महत्या कर लेगी। पुलिस का कहना है कि शव को कल थाने लाया गया और बेटी सेनाली सेन (39) के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच में लिया है।

40 साल बाद हिमालय के ग्लेशियर मे क्षमता से अधिक बर्फ जमी

देहरादून। 40 साल बाद हिमालय के ग्लेशियर, मे पहली बार जून माह में क्षमता से अधिक बर्फ एकत्रित हुई है। हिमालय के ग्लेशियरों पर 15 फुट से ज्यादा नई बर्फ जमा हुई है। उत्तराखंड की सभी ऊँची चोटियों पर आमतौर पर 30 फुट स्थायी बर्फ का जमाव रहता है। इस बार 45 फुट तक बर्फ जमा हुई है। मौसम विज्ञानी डॉ डीपी डोभाल के अनुसार, इस बार सबसे ज्यादा पश्चिमी विक्षोभ उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों से टकराए हैं। हिमपात के कारण हिमालय के ग्लेशियर रिचार्ज होते चले गए। 40 साल बाद इतनी बर्फ हिमालय के पहाड़ों में जमा हुई है।

इसके बड़े फायदे : मैदानी राज्यों में ग्लेशियर पिघलने से ज्यादा पानी जाएगा।जल विद्युत का अधिक उत्पादन हो सकेगा। सिंचाई के लिए नहरों को ज्यादा पानी मिलेगा।वाष्पीकरण के कारण स्थानीय मौसम बारिश के लिए अनुकूल होगा। इसका असर हिमालय के पर्यावरण और मौसम पर भी अनुकूल पड़ेगा।

छात्रों को इस्लाम कें प्रति आकर्षित करने के आरोप में बीजेपी एमएलसी के प्राचार्य सस्पेंड

- आरोप है कि सेमिनार की शुरुआत इस्लामिक प्रार्थना से हुई थी

मुंबई। महाराष्ट्र के मालेगांव में एक कॉलेज प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया गया है और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। प्रिंसिपल पर आरोप है कि कॉलेज में करियर गाइडेंस सेमिनार की आड़ में छात्रों को इस्लाम के प्रति आकर्षित करने का प्रपंच रच रहा था। आरोप है कि इस सेमिनार की शुरुआत इस्लामिक प्रार्थना से हुई थी। महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज का संचालन शिवसेना (यूबीटी) के नेता और बीजेपी के पूर्व एमएलसी डॉ. अपूर्व हिरे कर रहे हैं। प्राथमिकी तब दर्ज की गई, जब दक्षिणपंथी सदस्यों ने इस आयोजन का विरोध किया और आरोप लगाया कि छात्रों को इस्लाम की ओर आकर्षित किया जा रहा है। महाराष्ट्र के बंदरगाह विकास और खनन विभाग के मंत्री दादा भुसे ने भी इस आयोजन के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हिरे परिवार द्वारा संचालित इस कॉलेज में रक्षा क्षेत्र में अवसरों पर एक करियर गाइडेंस काउंसिलिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम स्थानीय संगठन सत्य मलिक लोक सेवा समूह के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसने पुणे में अनीस डिफेंस करियर इंस्टीट्यूट के अतिथि अनीस कुट्टी को कॉलेज में आमंत्रित किया था। निलंबित प्राचार्य डॉ सुभाष निकम ने कहा कि कार्यक्रम की शुरुआत एक छोटी इस्लामिक प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद वक्ता ने छात्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम के समापन पर बड़ी संख्या में लोग हॉल में घुस आए और दावा किया कि कार्यक्रम इस्लाम के प्रचार का एक प्रयास था। निकम ने कहा कि कार्यक्रम की शुरुआत छोटे अरबी मंत्र के साथ हुई थी, क्योंकि संगठन ने अपने अधिकांश कार्यक्रमों की शुरुआत इसी तरह की थी।

यूपी से लोकसभा की 80 सीटें जीतने का सपना देख सकते हैं अखिलेश : तोमर

लखनऊ। देश में अगले साल लोकसभा चुनाव 2024 होने वाले है। इस लेकर सभी राजनीतिक दल तैयारियां कर रहे है। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी ने 80 की 80 सीटों पर जीत हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर श्रावस्ती में अपने दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हुए है। मंगलवार को दौरे के दूसरे दिन भगवान लव-कुश की जन्म भूमि सीताद्वार से 2024 में होने वाले चुनाव का शंखनाद किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री तोमर ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा है। बता दें कि श्रावस्ती पहुंचे केंद्रीय मंत्री तोमर का बीजेपी विधायक राम फेरन पांडे ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने यहां भगवान लव-कुश की जन्म स्थली सीताद्वार पर एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि योगी मोदी की जो कार्यकाल गुजरे हैं वह उपलब्धियों से भरे हुए हैं। लोगों को सरकार के विकास को देखते हुए वोट करना चाहिए। उनके इस कार्यक्रम के दौरान श्रावस्ती लोकसभा की पांचों विधानसभा के विधायक भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में लोगों मौजूद थे। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश पर उनके लोकसभा में 80 सीटों को जीतने के दावे को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जब तक चुनाव नहीं होता और चुनाव का रिजल्ट नहीं आता तब तक इसतरह के सपने का देखने का अधिकार सभी को है। वह चाहे तब यह सपना देख सकते हैं लेकिन इसतरह के सपने साकार नहीं होते।

भाजपा नेता किरीट सोमैया के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने भाजपा नेता किरीट सोमैया के खिलाफ मानहानि का केस किया है। उन्होंने कथित रूप से अपमानजनक ट्वीट पोस्ट करने को लेकर मुंबई की एक अदालत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया के खिलाफ सोमवार को मानहानि का मुकदमा दायर कराया।

भारत में रहकर सम्मानजनक पहचान हासिल करना सभी का अधिकार

-जाति वाला सरनेम बदलने के आवेदन पर हाई कोर्ट ने सीबीएसई को दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में रहकर सम्मानजनक पहचान हासिल करना सभी का अधिकार है, सीबीएसई को सरनेम बदलने वाले आवेदन पर कार्रवाही करनी होगी। कुछ इस तरह के आदेश दिल्ली हाई कोर्ट ने एक आवेदक के सरनेम चेंज करने वाले मामले में दिए हैं। कोर्ट के अनुसार जीवन के अधिकार के तहत हर व्यक्ति को समाज में सम्मानजनक पहचान का अधिकार देता है। जाति बताने वाले उपनाम (सरनेम) को बदलने की अनुमति देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी की। गौरतलब है कि यह आदेश दो भाइयों की ओर से दायर की गई याचिका पर आया जिसमें उन्होंने सेंट्रल बोर्ड ऑफ एजुकेशन (सीबीएससी) की ओर से जारी लेटर को चुनौती दी थी। 1 जून 2017 के इस लेटर में सीबीएसई ने दोनों भाइयों के उपनाम बदलने के आवेदन को खारिज कर दिया था। वे 10वीं और 12वीं की मार्कशीट में अपना उपनाम बदलना चाहते थे। अब लेकिन कोर्ट के आदेश के बाद सीबीएसई को उपनाम बदलने की प्रक्रिया करनी होगी।

याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि दिन-ब-दिन होने वाले अत्याचार की वजह से उनके पिता ने अपना नाम लक्ष्मण मोची से बदलकर लक्ष्मण नायक कर लिया है। लेकिन सीबीएसई ने यह कहकर प्रमाणपत्र में बदलाव से इनकार कर दिया कि उपनाम में बदलाव से याचिकाकर्ताओं की जाति में बदलाव होगा, जिसका दुरुपयोग किया जा सकता है। जस्टिस मिनी पुष्करणा ने कहा कि सीबीएसई की ओर से मार्कशीट में बदलाव से इनकार करना पूरी तरह अनुचित है और यदि कोई व्यक्ति किसी के पूर्वाग्रह से ग्रसित होने से बचने के लिए किसी विशेष जाति के साथ अपनी पहचान नहीं कराना चाहता, तो इसकी अनुमति है। 19 मई को आए आदेश में कोर्ट ने कहा, पहचान का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दिए गए जीवन के अधिकार का हिस्सा है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि याचिकाकर्ताओं को एक ऐसी पहचान रखने का पूरा अधिकार है, जो उन्हें समाज में एक प्रतिष्ठित और सम्मानजनक पहचान देता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पिता के उपनाम में परिवर्तन से याचिकाकर्ताओं की जाति में परिवर्तन नहीं होगा या उन्हें किसी आरक्षण या किसी अन्य लाभ की अनुमति नहीं होगी जो नए उपनाम वाली जाति के लिए उपलब्ध हो सकता है। न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ता भाइयों को समाज में प्रतिष्ठित और सम्मानजनक पहचान रखने का पूरा अधिकार है और अगर उन्हें अपने उपनाम के कारण कोई नुकसान हुआ है, तो वे निश्चित रूप से अपनी पहचान बदलने के हकदार हैं, जो सामाजिक संरचना में याचिकाकर्ताओं को सम्मान दे सके।

जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन ने नीतीश मंत्रिमंडल से दिया इस्तीफा

पटना। बिहार में महागठबंधन की सरकार को बड़ा झटका लगा है। बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के बेटे और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा पार्टी (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन मांझी ने नीतीश मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। गौरतलब है कि संतोष सुमन नीतीश सरकार में अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री थे। लंबे वक्त से जीतन राम मांझी के एनडीए में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थी। इसी बीच मंगलवार को बिहार कैबिनेट से संतोष मांझी ने इस्तीफा देकर सबको हैरान कर दिया है। बताया जा रहा है कि वित्त मंत्री विजय चौधरी से मुलाकात के बाद संतोष सुमन मांझी ने इस्तीफा दिया है। जीतन राम मांझी के दल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने भी इस्तीफे की पुष्टि की है। पार्टी ने बताया कि जदयू की तरफ से लगातार हम पार्टी को विलय करने का दबाव बनाया जा रहा था। वहीं हम पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सह राष्ट्रीय प्रवक्ता अमरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हम पार्टी गरीबों के हितों की रक्षा के लिए बनी है। पार्टी ने गरीबों की हितों और कार्यकर्ताओं के सम्मान को देख देखते हुए बिहार सरकार में अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण मंत्री डॉक्टर संतोष कुमार सुमन (मांझी) ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। कल ही जीतन राम मांझी ने आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की थी। वहीं, विपक्षी दलों की बैठक में आमंत्रण नहीं मिलने पर नाराजगी जताई थी। 23 जून को विपक्षी दलों की होने जा रही महाबैठक में भी जीतन राम मांझी ने नहीं जाने की बात कही थी।

मध्य प्रदेश: राजनाथ का प्रियंका पर वार, बोले- चुनाव नज़दीक आते ही कई मौसमी हिंदू दिखाई देने लगते हैं

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज मध्य प्रदेश थे। मध्य मध्य प्रदेश में उन्होंने किसान कल्याण महाकुंभ में हिस्सा लिया और मध्य प्रदेश सरकार की ओर से किसानों को दी गई राशि को वितरित किया। इस दौरान अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने प्रियंका गांधी पर बिना नाम लिए निशाना साधा और साफ तौर पर कहा कि चुनाव आते ही कई मौसमी हिंदू दिखाई देने लगते हैं। राजनाथ के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

प्रियंका गांधी पर निशाना

रक्षा मंत्री ने कहा कि चुनाव नजदीक आने पर आपको कई 'मौसमी हिंदू' भी दिखाई देने लगते हैं। आजकल कभी बजरंगबली तो कभी माँ नर्मदा की आरती उतारी जा रही है। उन्होंने कहा कि नर्मदा के प्रति सम्मान तो शिवराज ने किया है। शिवराज ने मध्य प्रदेश असेंबली से प्रस्ताव पारित करके नर्मदा को living entity के रूप में मान्यता दी थी। दरअसल, प्रियंका गांधी सोमवार को मध्य प्रदेश दौरे पर थीं जहां उन्होंने नर्मदा नदी के किनारे पूजा अर्चना की थी। इसी को लेकर भाजपा उन पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है।

कांग्रेस के गारंटी पर निशाना

राजनाथ ने कहा कि जनता की आँखों में धूल झोंकने के लिए कांग्रेस पाँच गारंटी की बात कर रही है। जब कमलनाथ जी की सरकार थी तो बहुत घोषणाएँ हुई मगर पहला वादा तो पूरा नहीं किया। अब फिर से गारंटी की बात की जा रही है।

किसी ने छेड़ा तो हम छोड़ेंगे नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का चरित्र रहा है, न तो हमने किसी देश पर आक्रमण किया है और न ही किसी की एक इंच धरती पर कब्ज़ा किया है। हम किसी को छेड़ेंगे नहीं और किसी ने छेड़ा तो हम छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि अभी पिछले ही दिनों एक महिला आफिसर को सियाचिन में तैनात किया गया है और अब वे नौ सेना के युद्ध पोतों पर भी काम कर रही है। यानि हिंद महासागर की गहराई से लेकर सियाचिन की ऊँचाई तक महिलाएं देश की रक्षा करने का भी बीड़ा उठाए हुए है।

गांव और किसानों का हुआ विकास

राजनाथ ने कहा कि कोई किसान को अन्नदाता कह कर संबोधित करता है, कोई जीवन दाता कह कर बुलाता है मगर कोई मुझसे पूछे तो मैं यही कहूंगा कि हमारे देश का किसान, अन्नदाता भी है, जीवनदाता भी है और साथ ही इस भारत का भाग्य विधाता भी है। उन्होंने कहा कि आज देश के अधिकांश गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ दिया गया है। पिछले नौ वर्षों में देश के ग्रामीण इलाकों में 3.5 लाख कि.मी. पक्की सड़कों का निर्माण हुआ है।

बहुत कुछ सिखाती है आदिवासी समाजों की जीवन शैली: बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आधुनिक समाज को आदिवासी समाजों की जीवन शैली से बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। उनकी जीवनचर्या हमेशा प्रकृति के अनुरूप रही है। बिरला संसद् भवन के केन्द्रीय कक्ष में संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे जिसमें विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। बिरला ने प्रकृति, परंपरा और संस्कृति के ज्ञान की जनजातीय विरासत के संदर्भ के बारे में ध्यान दिलाते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही वनवासियों ने प्रकृति के साथ तालमेल से रहकर समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों और विशेष रूप से पीवीटीजी की जीवन शैली हमेशा प्रकृति के अनुरूप रही है और आधुनिक दुनिया को उनसे बहुत कुछ सीखना है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सभी वर्गों को समान अधिकार और स्वतंत्रता के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक समानता प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने भेदभाव का सामना करने वाले आदिवासी लोगों को विशेष सुरक्षा प्रदान करने के लिए संविधान सभा की सराहना की।

बिरला ने कहा कि आधुनिक भारत के इतिहास में ऐतिहासिक केन्द्रीय कक्ष उन सभी लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है, जो संविधान से सभी देशवासियों को प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी का गवाह केन्द्रीय कक्ष पर संविधान निर्माताओं ने सभी भारतीयों को समानता, न्याय और स्वतंत्रता की गारंटी दी थी। अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पीवीटीजी मिशन की सराहना की, जिसके अंतर्गत इस समूह के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अगले तीन वर्षों में 15 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वन उपज के साथ-साथ आदिवासी लोगों की कला और शिल्प की अनूठी डिजाइन के कारण इनकी मांग पूरी दुनिया में बढ़ी है। इससे इन परंपराओं को जीवित रखा जा सकेगा और साथ ही ऐसे समूहों के बारे में जानकारी का प्रसार करने में मदद मिलेगी।

स्मृति ईरानी का दावा, पिछली सरकार के मुकाबले मोदी सरकार ने 58 प्रतिशत ज्यादा नौकरियां दीं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लखनऊ। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने मंगलवार को दावा किया कि पिछली सरकार के मुकाबले नरेंद्र मोदी सरकार ने 58 प्रतिशत ज्यादा युवाओं को नौकरियां दी हैं। ईरानी ने लखनऊ में आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते कहा कि पिछली सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने युवाओं को 58 प्रतिशत ज्यादा नौकरियां दी हैं। अबतक आठ लाख 80 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरी मिली है।

उन्होंने कहा कि इस वक्त देश में निजी और सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में नौकरियों के लगातार नए मौके उत्पन्न हो रहे हैं। बड़ी संख्या में युवा स्वरोजगार के लिए भी आगे आ रहे हैं। उद्यमियों को बिना गारंटी के बैंक से कर्ज दिलाने वाली मुद्रा योजना के तहत सरकार 40 करोड़ रुपये का कर्ज दे चुकी है। इसमें से 27 करोड़ रुपये का कर्ज महिलाओं को दिया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए लगभग 70,000 नवनियुक्त सदस्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भर्ती हुए सदस्यों को संबोधित भी किया। रोजगार मेले का आयोजन देशभर में 43 स्थानों पर किया गया। केंद्रीय मंत्री ईरानी ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उद्यमियों को कर्ज देने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, स्टैंड अप योजना के तहत 40 हजार करोड़ रुपये महिलाओं और अनुसूचित जनजाति के लोगों को दिए गए हैं।

जयशंकर ने आपूर्ति श्रृंखला बाधा, कर्ज संकट सहित दुनिया के सामने आ रही चुनौतियों का उठाया मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहना है कि आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, कर्ज संकट और ऊर्जा, खाद्य एवं उर्वरक सुरक्षा संबंधी दबाव के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था चुनौतियों का सामना कर रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट वैश्विक दृष्टिकोण का आह्वान करते हुए कहा कि आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, लंबे समय तक कर्ज संकट और ऊर्जा, खाद्य और उर्वरक सुरक्षा पर दबाव के बीच वैश्विक आर्थिक सुधार की संभावनाएं कम हैं। यहां जी20 विकास मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर प्रगति में तेजी लाने के लिए एक महत्वाकांक्षी सात वर्षीय कार्य योजना पेश की है, जिसने जी20 कार्यों के लिए एक एकीकृत और समावेशी रोडमैप प्रस्तुत किया है।

जयशंकर ने कहा कि रोडमैप डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और विकास के लिए डेटा को बढ़ावा देने, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास में निवेश और ग्रह की रक्षा के लिए ऊर्जा संक्रमण पर केंद्रित है। दुनिया आज अभूतपूर्व और कई संकटों का सामना कर रही है - महामारी से लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, संघर्ष के प्रभाव से

लेकर जलवायु घटनाओं तक, हमारा युग दिन पर दिन अधिक अस्थिर और अनिश्चित होता जा रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा कि एसडीजी की दिशा में प्रगति कोविड-19 महामारी से पहले ही कम हो रही थी और इसे और बढ़ा दिया गया है। 2015 में यूएन 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स' का एक सेट तैयार किया जो दुनिया भर में गरीबी को खत्म करने, ग्रह की रक्षा करने और सभी के लिए कल्याण और समृद्धि सुनिश्चित करने पर केंद्रित था। जयशंकर ने कहा था कि भारत ने टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्रगति को गति प्रदान करने के लिए महत्वाकांक्षी सात वर्षीय कार्य योजना तैयार की है जिसमें जी20 गतिविधियों के लिए समन्वित एवं समावेशी खाका पेश किया गया है। उन्होंने कहा था कि आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, कर्ज संकट और ऊर्जा, खाद्य एवं उर्वरक सुरक्षा पर दबाव के मद्देनजर वैश्विक आर्थिक सुधार की संभावना धीमी बनी हुई है।

हीटवेव से अभी नहीं मिलने वाली है राहत, कई राज्यों में अलर्ट जारी, दिल्ली में 40-45 के पास पहुंच सकता है तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कई राज्य इस वक्त हीट वेव की चपेट में हैं। हीटवेव की वजह से उत्तर भारत में खासकर गर्मी अपने चरम पर है। गर्मी की वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, लोगों के लिए अभी भी राहत के खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक के अभी भी आने वाले 5 दिनों में हीट वेव चलते रहेंगे। इसका मतलब साफ है कि हीटवेव से फिलहाल राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। इतना ही नहीं, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में तापमान आने वाले दिनों में 40 से 45 डिग्री के बीच रहने वाला है।

हीट वेव का अलर्ट जारी

आईएमडीवैज्ञानिक डॉ नरेश कुमार ने कहा कि दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में आने वाले दिनों में तापमान 40-45 के पास पहुंच सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस समय बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में हीट वेव जारी है। आने वाले 5 दिनों में इन हिस्सों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में सोमवार को लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा और अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने दिन में तेज सतही हवाएं चलने का पूर्वानुमान लगाया है। निजी पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर के अनुसार आगामी कुछ दिनों में दिल्लीवासी गर्मी से कुछ राहत की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि अरब सागर में तेजी से बढ़ रहे चक्रवात बिपारजॉय के प्रभाव के कारण बृहस्पतिवार और शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में हल्की बारिश का अनुमान है। दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम है।

रोमानिया के राष्ट्रपति ने प्रेडोयू को कार्यवाहक प्रधानमंत्री किया नियुक्त

चिसीनाउ । रोमानिया के राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस ने न्याय मंत्री मारियन-कैटलिन प्रेडोइयू को देश का कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। राष्ट्रपति प्रशासन ने बताया कि श्री इओहानिस ने श्री प्रेडोइयू को कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिये हैं। रोमानिया के प्रधानमंत्री निकोले सिउका ने पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसा माना जा रहा कि श्री सिउका ने अगले उम्मीदवार के लिए प्रधानमंत्री पद छोड़ा है, लेकिन शिक्षकों की हड़ताल के कारण मंत्रिमंडल के बदलाव की प्रक्रिया में देरी हुई। बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने एक नई सरकार के गठन तक प्रधानमंत्री के कर्तव्यों को पूरा करने के लिए श्री प्रेडोई को कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं।

यूक्रेनी शहर पर रूसी मिसाइल हमले में 3 की मौत, 25 घायल

कीव । यूक्रेनी शहर क्रिवीवीरिह में एक रूसी मिसाइल हमले में कम से कम तीन लोग मारे गए और 25 अन्य घायल हो गए। वहां के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार, डिनिप्रॉपेट्रोस क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेर्ही लिसाक ने कहा कि हवाई रक्षा ने शहर के ऊपर तीन क्रूज मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन और भी मिसाइलें आ रही थीं। उन्होंने कहा, नागरिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि 19 घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। लिसैक ने कहा, क्रिवीवीरिह पर एक बड़ा मिसाइल हमला हुआ। शहर के मेयर ऑलेक्जेंडर विलकुल ने कहा कि एक पांच मंजिला अपार्टमेंट इमारत को निशाना बनाया गया और पीड़ितों के मलबे में दबे होने की संभावना है। मेयर के हवाले से कहा, पहली से पांचवीं मंजिल तक के अपार्टमेंट में आग लगी है। आग 700 वर्ग मीटर में फैल गई है। बचावकर्मी बुझा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर में एक अन्य स्थान पर भी चार लोग घायल हो गए, जहां एक इमारत और एक कार में आग लग गई थी। विलकुल ने पास के निकोपोल जिले में रात भर रूसी गोलाबारी की भी सूचना दी। घटना की निंदा करते हुए, राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अधिक आतंकवादी मिसाइलें, रूसी हत्यारे आवासीय भवनों, सामान्य शहरों और लोगों के खिलाफ अपना युद्ध जारी रखते हैं .. दुर्भाग्य से, कुछ मृत और घायल हैं।

रूस दिवस पर यूएई के राष्ट्रपति ने पुतिन को दी बधाई

मॉस्को । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान ने रूस दिवस के अवसर पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बधाई दी है। यूएई की एक रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को राष्ट्रपति अल नहयान ने श्री पुतिन को रूस दिवस पर बधाई संदेश भेजा। रिपोर्ट के अनुसार यूएई के उपराष्ट्रपति शेख मंसूर बिन जायद अल नाहयान ने भी रूसी नेता को बधाई दी। इससे पहले सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद ने रूस दिवस के मौके पर पुतिन को बधाई का तार भेजा था। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने भी रूसी राष्ट्रपति को इसी तरह की बधाई वाला संदेश भेजा था। उल्लेखनीय है कि रूस में 1992 से प्रतिवर्ष 12 जून को रूस दिवस मनाया जाता है। यह दिन रूसी सोवियत संघीय समाजवादी गणराज्य की संप्रभुता की घोषणा की याद दिलाता है।

ईरान में सऊदी राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने की तैयारी

तेहरान । ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने कहा है कि ईरान में सऊदी राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने के लिए जमीन तैयार है। ईरानी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार कनानी ने राजधानी तेहरान में एक साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में ईरान और सऊदी अरब के बीच संबंधों की बहाली में नवीनतम विकास पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अप्रैल में ईरान का दौरा करने वाली सऊदी तकनीकी टीम द्वारा उठाए गए प्रारंभिक कदमों के आधार पर तेहरान में सऊदी दूतावास और उत्तर-पूर्वी ईरानी शहर मशहद में महावाणिज्य दूतावास को निकट भविष्य में फिर से खोल दिया जाएगा। कनानी ने यह भी कहा कि ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दोल्लाहियान द्वारा अपने सऊदी समकक्ष फैसल बिन फरहान अल सऊद को पहले दिए गए निमंत्रण के मद्देनजर शीर्ष सऊदी राजनयिक निकट भविष्य में ईरान की यात्रा करने वाले हैं। ईरान और सऊदी अरब ने अप्रैल में तत्काल प्रभाव से राजनयिक संबंधों को फिर से शुरू करने की घोषणा की थी।

रूसी पक्ष ने यूक्रेनी सीमा पर घमासान लड़ाई की बात कही

मास्को । रूस द्वारा नियुक्त अधिकारी और रूसी समर्थक ब्लॉगरों ने यूक्रेन के दोनेत्स्क और जपोरिजिया इलाकों में घमासान लड़ाई की रिपोर्ट दी है। इन इलाकों में प्रतिघात की शुरुआत के बाद पिछले दिनों यूक्रेनी सेना ने अच्छी बढ़त हासिल की है। मोकरी यली नदी के दोनों किनारों पर वेलीका नोवोसिल्का शहर के दक्षिण में लड़ाई चल रही है। एक रिपोर्ट में रूसी-स्थापित जपोरिजिया प्रशासन के एक सदस्य व्लादिमीर रोगोव ने वर्मीवका रिज के रूप में जाने वाले क्षेत्र में भारी लड़ाई की बात स्वीकार की हालांकि उन्होंने यह भी दावा किया कि उच्च भूमि रूसी नियंत्रण में रही। उन्होंने कहा कि रूसी हमलावर हेलीकॉप्टर सक्रिय थे और उरोजाइन गांव के आसपास के क्षेत्र में पारस्परिक गोलाबारी और घमासान लड़ाई जारी है। रोगोव ने यह भी स्वीकार किया कि यूक्रेनी सेना गांव के उत्तरी और पूर्वी बाहरी इलाके में अपनी स्थिति बनाए हुए थी। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने आगे दावा किया कि मकरिवका के पास के गांव में 127वें डिवीजन के त्वरित और प्रभावी पलटवार से दुश्मन को पहले ही खदेड़ दिया गया है। उधर यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने दोनेत्स्क और जपोरिजिया सीमा क्षेत्र में लड़ाई पर टिप्पणी करते हुए कहा दुश्मन के नुकसान बिल्कुल वैसे ही हैं जो हमें चाहिए। महीनों की अटकलों के बाद 10 जून को जेलेंस्की द्वारा बहुप्रतीक्षित यूक्रेनी जवाबी हमले की शुरुआत की घोषणा की गई।

आधी रात को आया तेज भूकंप, जान-माल का कोई नुकसान नहीं

शिजांग। तिब्बत के शिजांग शहर में मंगलवार को भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक सुबह 3 बजकर 23 मिनट पर भूकंप आया था। इसका केंद्र जमीन से 106 किलोमीटर नीचे था। इससे पहले भी शिजांग क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किये गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप के झटके बीते 3 अप्रैल को रात एक बजे महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी गई थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉडी ने भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं की थी। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई के साथ 33.54 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 84.41 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया था। धरती के अंदर मौजूद प्लेटों के टकराने के चलते भूकंप आते हैं। धरती के भीतर सात प्लेट्स होती हैं, जो लगातार घूमती रहती है। जब ये प्लेटें किसी जगह पर आपस में टकराती हैं तो वहां फॉल्ट लाइन जोन बन जाता है और सतह के कोने मुड़ जाते हैं। सतह के कोने मुड़ने के चलते वहां दबाव बनता है और प्लेट्स टूटने लगती हैं। इन प्लेट्स के टूटने से अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है, जिसके चलते धरती हिलती है। रिक्टर स्केल पर 2.0 से कम तीव्रता वाले भूकंप को माइक्रो कैटेगरी में रखा जाता है और यह भूकंप महसूस नहीं किये जाते। रिक्टर स्केल पर माइक्रो कैटेगरी के 8,000 भूकंप हर रोज दुनियाभर में महसूस किये जाते हैं। इसी तरह 2.0 से 2.9 तीव्रता वाले भूकंप को माइनर कैटेगरी में रखा जाता है। ऐसे 1,000 भूकंप प्रतिदिन आते हैं। इसे भी सामान्य तौर पर हम महसूस नहीं करते। वेरी लाइट कैटेगरी के भूकंप 3.0 से 3.9 तीव्रता वाले होते हैं, जो एक साल 49,000 बार दर्ज किये जाते हैं। इन्हें महसूस किया जा सकता है। लेकिन शायद ही इससे कोई नुकसान होता है। लाइट कैटेगरी के भूकंप 4.0 से 4.9 तीव्रता वाले होते हैं, जो पूरी दुनिया में एक साल करीब 6,200 बार रिक्टर स्केल पर दर्ज किये जाते हैं।

वलेडिवस्टोक में पारंपरिक परिधान पहनकर रुस दिवस पर आने वाले मेहमानों का स्वागत करते हुए लोग।

प्रौद्योगिकी से होगा भारत-अमेरिका संबंधों की वास्तविक क्षमता का आंकलन

वाशिंगटन। भारत अमेरिका संबंधों की वास्तविक क्षमता का आंकलन प्रौद्योगिकी से होगा। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने भारत-अमेरिका साझेदारी को और तेजी से बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी की ताकत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों की वास्तविक क्षमता को सामने लाने का सबसे अहम जरिया प्रौद्योगिकी ही है। संधू का यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा से ठीक पहले आया है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21 से 24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान, वह कांग्रेस के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। राजदूत संधू ने कहा, यदि आप मुझसे पूछें कि मैं सबसे ज्यादा किसकी वकालत करूंगा, इस संबंध के लिए सबसे अधिक फायदेमंद क्या है और वास्तव में वैश्विक हित किसमें है, वह प्रौद्योगिकी है। यह संबंधों की वास्तविक क्षमता को सामने लाने का सबसे अहम जरिया है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हमारे बीच काफी तालमेल है। यह उतनी ही रणनीतिक है जितनी वाणिज्यिक। संधू ने 'यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल' के वार्षिक 'इंडिया आइडियाज समिट' को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। उन्होंने कहा, करीब साढ़े चार महीने पहले ही हमने एनएसए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो दोनों की उपस्थिति में इसी स्थान पर आईसीईटी इंडस्ट्री राउडटेबल' शुरू किया था। उन्होंने कहा, आज अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन दिल्ली में हैं, जो आईसीईटी की पहले दौर की चर्चा को वहां आगे बढ़ाएंगे। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री मोदी ने मई 2022 में महत्वपूर्ण एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) संबंधी पहल की घोषणा की थी। इसका मकसद दोनों देशों की सरकारों, व्यवसायों व शिक्षण संस्थानों के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी और रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाना व विस्तारित करना है।

कैलिफोर्निया में अक्टूबर को हिंदू अमेरिकी जागरूकता व प्रशंसा माह घोषित करने को बिल पेश

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कैलिफोर्निया राज्य विधानसभा के सदस्य ऐश कालरा ने एक प्रस्ताव पेश किया है, इसमें अक्टूबर 2023 को राज्य में हिंदू अमेरिकी जागरूकता और प्रशंसा माह घोषित किया गया है। 2013 से कैलिफोर्निया में लगभग हर साल पेश होने वाला विधेयक, पूरे अमेरिका में हिंदू अमेरिकियों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान के बारे में स्थानीय जागरूकता, मान्यता और स्वीकृति लाने का प्रयास करता है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने कहा, कैलिफोर्निया ने 10वें वर्ष के लिए अक्टूबर को हिंदू अमेरिकी जागरूकता और प्रशंसा माह के रूप में मान्यता दी है। लगभग 2,230,000 हिंदू अमेरिकी अमेरिका में रहते हैं, जहां कैलिफोर्निया में हिंदू अमेरिकी की सबसे बड़ी आबादी है, जिसमें बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, मलेशिया और अन्य देशों के व्यक्ति शामिल हैं। हिंदू अमेरिकियों के योगदान पर प्रकाश डालकर विधेयक में कहा गया है

कि देश को वेदांत फिलॉसफी, आयुर्वेदिक मेडिसिन, क्लासिकल इंडियन आर्ट, डांस, म्यूजिक, मेडिटेशन, योगा, लिटरेचर और कम्युनिटी सर्विस से लाभ हुआ है।

एचएएफ के प्रबंध निदेशक समीर कालरा ने कहा, एचएएफ ने कैलिफोर्निया में हिंदू अमेरिकी समुदाय के योगदान के साथ-साथ समुदाय द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों पर प्रकाश डालने के लिए विधानसभा सदस्य कालरा को बधाई दी। जैसे कि स्वस्तिक, अप्रवासी मुद्दे हमारे समुदाय को असमान रूप से प्रभावित कर रहे हैं और हिंदूफोबिया, हिंदू-विरोधी घृणा अपराध और हिंदू छात्रों को धमकाने के मामले लगातार सामने आ रहे है।

वर्ष 2023 में 1900 में सैन फ्रांसिस्को शहर में वेदांता सोसाइटी की स्थापना की 123वीं वर्षगांठ भी है। 1900 की शुरूआत में हिंदुओं ने कैलिफोर्निया में प्रवास करना शुरू किया, और 1943 में 1924 के एशियाई बहिष्करण अधिनियम को हटाने और 1965 में राष्ट्रीय मूल के आधार पर अप्रवासियों के लिए कोटा समाप्त करने के बाद संख्या में वृद्धि हुई। अमेरिका में पहला हिंदू मंदिर सैन फ्रांसिस्को में बनाया गया था, और 7 जनवरी, 1906 को मंदिर के समर्पण पर, इस संपूर्ण पश्चिमी दुनिया में पहला हिंदू मंदिर घोषित किया गया था। पूरे कैलिफोर्निया में अब 120 से अधिक हिंदू मंदिर, धार्मिक केंद्र और सांस्कृतिक केंद्र हैं, और ग्रेटर बे एरिया उन 40 से अधिक मंदिरों और केंद्रों का घर है।

चक्रवात करेगा कराची में धमाका, बादल फटने के आसार, सिंध में आपातकाल घोषित

कराची (एजेंसी)। चक्रवात बिपारजॉय पाकिस्तान में धमाका करने वाला है। यहां यह तूफान भारी तबाही मचा सकता है। इसके डर से ?सिंध प्रांत में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। गौरतलब है कि चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के 15 जून को गुजरात और कराची तट में टकराने की संभावना है। पाकिस्तान के मौसम विभाग ने कराची में बादल फटने जैसी घटनाओं की आशंका जताई है। सिंध में इमरजेंसी के चलते यहां सेना की तैनाती की गई है और निचले क्षेत्रों में रह रहे करीब 80 हजार लोगों को निकालने का काम शुरू कर दिया गया है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने बिपरजॉय को बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान बताया है। चक्रवात अरब सागर में पाकिस्तान और भारत के समुद्र तटों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने बताया कि राज्य में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। हम लोगों से अपील नहीं कर रहे, बल्कि उन्हें घरों को खाली करने के लिए कह रहे हैं। हमने सोशल मीडिया, मस्जिदों और रेडियो स्टेशनों के माध्यम से अलर्ट जारी किया है। सिंध सीएम ने कहा कि लोगों को निकालने के लिए पाकिस्तानी नेवी की मदद ली जा रही है। अब तक थट्ठा में 500 गांव वालों को निकाला जा चुका है। जबकि 1500 लोगों का रेस्क्यू जारी है। शाह बंदरगाह से 2000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। कराची में डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी ने समुद्र के किनारे के इलाकों में लोगों से 13 जून तक स्वैच्छा से घर खाली करने की अपील की है। मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात पिछले 12 घंटे से उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। यह कराची से लगभग 550 किमी दक्षिण, थाटा से 530 किमी दक्षिण में है। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात के दौरान सतही हवाओं की स्पीड 140-150 किमी प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। जबकि सेंटर के आस पास 170 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। समुद्र में 35-40 फीट की ऊंचाई तक लहरें उठ सकती हैं। पाकिस्तान के सुजावल, बादिन, थारपारकर और उमरकोट जिलों में 13-17 जून तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

अमेरिका में ट्रक ड्राइवर एक माह में कमाता है चार से पांच लाख रुपये

-राहुल गांधी ने की तेजिंदर के साथ ट्रक की सवारी, बातों-बातों में पूछ ली इंकम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका में ट्रक ड्रायवर की कमाई सुनकर हैरान रह गए। बता दें कि राहुल इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने हाल ही में एक ट्रक से वॉशिंगटन से न्यूयॉर्क तक 190 किलोमीटर की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने ट्रक के ड्राइवर तेजिंदर गिल से बातचीत भी की। राहुल ने इस बातचीत का वीडियो भी शेयर किया है। राहुल ने यात्रा के दौरान ट्रक ड्राइवर की महीने की कमाई के बारे में भी सवाल किया। ड्राइवर तेजिंदर गिल ने जब महीने की अपनी कमाई बताई तो, उसे सुनकर राहुल भी दंग रह गए। तेजिंदर ने बताया कि आराम से महीने में 4-5 लाख रुपये बन जाता है। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि यहां के ट्रकों को बहुत ही सुरक्षित बनाया गया है। राहुल गांधी ने इससे पहले पंजाब में भी ट्रक यात्रा की थी। तब उन्होंने अमृतसर में ट्रक ड्राइवरों से बातचीत कर उनकी समस्या जानी थी। अब राहुल अमेरिका में ट्रक यात्रा करते नजर आए। राहुल ने ट्रक ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठकर ये यात्रा की। इस दौरान राहुल ने कहा, अमेरिका के ट्रक भारत से ज्यादा आरामदायक हैं। ये ड्राइवर के कंफर्ट को देखकर बनाए गए हैं। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान में जो ट्रक हैं, उन्हें ड्राइवर के कंफर्ट से कोई मतलब नहीं है। वे ट्रक ड्राइवर के लिए नहीं बनाए गए।

तेजिंदर गिल ने बताया कि यहां ट्रक में सेफ्टी बहुत ज्यादा है। यहां कोई पुलिसवाला तंग नहीं करता। चोरी का डर नहीं है। ओवरस्पीडिंग में चालान जरूर कटता है। तेजिंदर गिल ने बताया कि अगर आप अमेरिका में ड्राइवरी करते हैं, तो आराम से महीने में 4-5 लाख रुपये बन जाता है। अपना ट्रक वाला आराम से 8-10 हजार डॉलर कमा लेता है। यानी भारत के हिसाब से महीने में 8 लाख रुपये बना सकते हैं। ये सुनकर राहुल भी हैरान हो जाते हैं, वे कहते हैं कितना... 8 लाख रुपये। इस पर ट्रक ड्राइवर कहता है कि इस इंडस्ट्री में पैसा बहुत है। जिन लोगों के पास इंवेस्ट करने का पैसा नहीं है, उनके लिए ये विकल्प अच्छा है।

राहुल ने कहा, आप लोग बहुत हार्ड जॉब कर रहे हैं। आपके लिए शुभकामनाएं। आप लोग बड़ी मेहनत कर रहे हैं, परिवार से दूर रहते हैं। यहां ट्रक चलाकर परिवार का पालन अच्छे से किया जा सकता है। लेकिन भारत में ट्रक चलाकर परिवार का पालन नहीं कर सकते। राहुल आगे कहते हैं भारत में दूसरी बात है, वहां ट्रक ड्राइवर का ट्रक नहीं होता, ट्रक दूसरे का होता है, ट्रक खुद चलाते हैं। इस पर ड्राइवर कहता है कि यहां पैसे किसी के पास नहीं है। डाउन पेमेंट देकर ट्रक ले लेते हैं, बैंक लोन से। भारत में लोन के लिए प्रॉपर्टी के पेपर चाहिए होते हैं, लोन के लिए। गरीब के पास प्रॉपर्टी के पेपर नहीं होते। इसलिए किसी का भी ट्रक चलाते रहते हैं।

मोदी की यात्रा से पहले ब्लिंकेन ने की रणनीतिक निर्भरता घटाने की बात

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी ऐतिहासिक यात्रा के बारे में कहा कि दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर और रक्षा जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में उभरते सहयोग के मूल में रणनीतिक निर्भरता को कम करने का भारत का विचार है। अमेरिकी चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अंग अमेरिका-भारत व्यापार परिषद के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर ब्लिंकेन ने कहा इस सभी सहयोग का केंद्र बिन्दु विश्वसनीय देशों के साथ हमारी आपूर्ति श्रंखलाओं में विविधता और गहराई लाना तथा रणनीतिक निर्भरता को कम करना है। ब्लिंकेन उभरती महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर दोनों देशों के बीच सहयोग में हालिया उछाल का जिक्र कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2022 में इस पर चर्चा शुरू की थी और इस साल की शुरुआत में दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों अजीत डोभाल और जेक सुलिवन की बैठक में दोनों पक्षों द्वारा इसे गति दी गई। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि दोनों देश सेमीकंडक्टर और और सौर ऊर्जा उपकरणों के क्षेत्र में भी सहयोग कर सकते हैं जिससे इनके लिए चीन पर भारत की निर्भरता समाप्त होगी। उन्होंने तमिलनाडु में सौर निर्माण संयंत्र में अमेरिकी निवेश के बारे में भी बात की।

हालांकि ब्लिंकन ने यह नहीं कहा कि अमेरिका को रणनीतिक निर्भरता कम करने के मामले में भारत से उम्मीदें हैं लेकिन यह रूसी तेल पर भारत की निर्भरता की स्वीकृति हो सकती है। भारत अमेरिकी प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए अपने स्वयं के उपयोग और निर्यात के लिए भारी रियायती दरों पर रूस से तेल आयात कर रहा है।

खैबर पख्तूनख्वा में आंतकी संगठन कर रहा पाकिस्तानी सैनिकों की टारगेट किलिंग

-पाकिस्तानी सरकार और सेना के दावे हुए हवा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सबसे विवादित खैबर पख्तूनख्वा इलाके में आतंकवादियों ने इस साल के शुरू में ही अभियान चलाया था कि या तब सुरक्षाकर्मी इस इलाके की 'आजादी' के लिए उनका साथ दें अन्यथा आतंकवादी संगठन वह प्रतिदिन पाकिस्तानी फौज की सेवा कर रहे एक सुरक्षाकर्मी को टारगेट करके मार दिया जाएगा। पाकिस्तानी फौज और प्रशासन ने आतंकवादी संगठनों की धमकी को महज अफवाह करार दिया था साथ ही अब तक भी आतंकवादी संगठन द्वारा जो भी दावे किए जाते हैं उन्हें पाकिस्तानी प्रशासन और फौज पूरी तरह से नकार देती है।

पाकिस्तानी सरकार और सेना के दावे पर पहली बार देश की ही खैबर पख्तूनख्वा सरकार और प्रशासन ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रशासन ने अपने आधिकारिक आंकड़े में यह स्वीकार किया है कि बीते 5 महीनों के दौरान यानी जनवरी 2023 से मई 2023 के बीच आतंकवादियों द्वारा 141 सुरक्षाकर्मियों की टारगेट करके हत्या की गई है जबकि 222 सुरक्षाकर्मी इस दौरान घायल हुए हैं। इस आंकड़े के मुताबिक आतंकवादियों के दावे अपनी जगह पर एकदम सटीक है क्योंकि प्रतिदिन एक सुरक्षाकर्मी की टारगेट किलिंग उनके द्वारा की जा रही है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रशासन द्वारा पुलिस टारगेट किलिंग केस 2023 के नाम से जो लिस्ट जारी की गई है उसके मुताबिक जनवरी 2023 में टारगेट किलिंग के कुल 15 मामले दर्ज किए गए जिनमें 116 सुरक्षाकर्मी टारगेट किलिंग के तहत मारे गए जबकि 189 घायल हुए।

पाकिस्तानी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में 2 मार्च में 7 अप्रैल में 8 मई में 5 और जून में शुरुआती हफ्ते में 3 सुरक्षाकर्मियों को टारगेट करके मारा गया। खैबर पख्तूनख्वा की पुलिस द्वारा इस बाबत अब तक कुल 41 मुकदमे दर्ज किए गए हैं जिसमें 141 सुरक्षाकर्मियों की हत्या की गई है जबकि 222 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं।

पाकिस्तानी प्रशासन के कबूलनामे से साफ जाहिर है कि आतंकवादी संगठनों द्वारा जो दावे किए गए हैं वह पूरी तरह से सटीक हैं। हालांकि बीच-बीच में जब आतंकवादी संगठनों द्वारा इस तरह के दावे किए गए थे तब पाकिस्तानी सरकार और फौज ने उन्हें पूरी तरह से नकार दिया था और यह कहा था कि आतंकवादी लोगों को डराने के लिए इस तरह के भ्रामक प्रचार कर रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन पाकिस्तानी फौज और पाकिस्तानी प्रशासन पर भारी पड़ रहे हैं।

इमरान को फांसी देने की तैयारी कर रही शहबाज सरकार? पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने पास कर दिया कौन सा प्रस्ताव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी को एक और झटका देते हुए 9 मई की हिंसा में शामिल राजनीतिक दल और उसके नेता के खिलाफ सख्त सेना अधिनियम के तहत त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को निचले सदन में बहुमत से पारित किया गया, नेशनल असेंबली के आधिकारिक हैंडल ने ट्वीट किया।

प्रस्ताव के अनुसार, राजनीतिक दल और उसके नेताओं ने 9 मई को सभी हदें पार कर सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले किए, जिससे राज्य के संस्थानों और देश को अपूरणीय क्षति हुई। इसलिए, खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी का नाम लिए बगैर प्रस्ताव में मांग की गई कि कानून और संविधान के अनुसार ऐसे सभी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसमें कहा गया है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए, यहां तक कि पार्टी के कार्यकर्ता और नेता भी 9 मई की हिंसा से खुद को दूर कर रहे थे।

प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि बदमाशों और अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के दौरान मानवाधिकारों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि सेना के पास दुनिया भर में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के जवाब में कार्रवाई करने का अधिकार है, और इसमें शामिल सभी व्यक्तियों को उनके कार्यों के लिए पाकिस्तान सेना अधिनियम 1952 के तहत दंडित किया जाना चाहिए।

संपादकीय

प्रत्येक क्षण उजाला - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

दुनिया में हर तरफ लोग मौसम को लेकर चिंतित हैं। मैं दुनिया में जहाँ भी यात्रा करता हूँ तो यह अनुभव करता हूँ कि विभिन्न देशों और क्षेत्रों के लोग अलग-अलग प्रकार के मौसम से कैसे प्रभावित होते हैं? उदाहरण के लिए, जब कुछ स्थानों पर बर्फीला तूफान आता है तो वहाँ का जीवन थम सा जाता है। बर्फ के कारण स्कूल बंद हो जाते हैं और लोग काम छोड़कर अपने घरों में ही रहते हैं। मगर अन्य जगहों पर ठंडी जलवायु में रहने वाले लोग खुद को उस मौसम के अनुकूल ढालते हैं ताकि भारी बर्फबारी होने पर भी जीवन सामान्य रूप से चलता रहे। वहाँ ऐसा कम ही होता है कि मौसम की वजह से जीवन रूक जाता हो। जबकि कई अन्य जगहों पर बर्फ के कारण शहर तक बंद हो जाते हैं। जब मैं उन लोगों के बारे में सोचता हूँ जो लोग इतने मजबूत और सख्त हैं कि वे खराब मौसम होने के बावजूद भी चलते रहते हैं तो यह हमें याद दिलाता है कि हमें अपने जीवन को कैसे और कहाँ ढालना चाहिए?

हमारे जीवन के रास्ते में आने वाले तूफानों के बावजूद हम जो भी कार्य करते हैं उसे निरंतर करते रहने के कई फायदे हैं। हमारा यह दृष्टिकोण शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तौर पर तो हमारी मदद करता ही है। इसके अलावा यह हमारे ध्यान में सकारात्मक गुणों को विकसित करने और एक सुखी जीवन जीने में भी हमारी मदद करता है। सबसे पहले हम अपने ध्यान-अभ्यास की तरफ देखें। जो लोग जीवन में अपने उद्देश्य पर ध्यान टिकाए रखते हैं, वे जानते हैं कि चाहे बारिश हो रही हो, बर्फ पड़ रही हो, कड़ाके की ठंड पड़ रही हो या गर्मी हो, यह मौसम भी तीन-चार महानों में बीत जाएगा और किसी समय धूप जरूर निकलेगी। यहाँ तक कि सर्दी का मौसम आने पर भी। बसंत के फूल फिर से खिलेंगे। इस प्रकार की मनोवृति हमें अपने ध्यान-अभ्यास में रखनी चाहिए। हमारे भीतर हमेशा एक खुला आसमान मौजूद है। हमारे अंतर में सूर्य हमेशा चमकता रहता है, आंतरिक ज्योति हमेशा जगमगाती रहती है। ध्यान-अभ्यास के माध्यम से हम भी अपनी आँखें बंद करके उस ज्योति के दर्शन कर सकते हैं। हम अंधेरे को उजाले में बदलने का रहस्य जान सकते हैं।

जब हम ध्यान-अभ्यास करना शुरू करते हैं तो हम पाते हैं कि अचानक कई विचार हमें विचलित करते हैं। हम इन विचारों की तुलना खराब मौसम से कर सकते हैं। हम जानते हैं कि जब हम हवाई जहाज में उड़ान भरते हैं तो जमीन पर चाहे कैसा भी मौसम हो, बादल हों, अंधेरा हो या बर्फबारी हो, लेकिन जब हवाई जहाज एक निश्चित ऊँचाई पर पहुँचता है तो हम बादलों को पार कर सूर्य को देख सकते हैं। इसी प्रकार ध्यान-अभ्यास की प्रक्रिया है। हमारे भीतर सूर्य का प्रकाश हमेशा चमकता रहता है। हम इसे नहीं देख सकते क्योंकि हमारा ध्यान विचलित करने वाले विचारों के खराब मौसम पर केन्द्रित होता है।

हमारे विचार कभी रूकते नहीं हैं। वे एक क्षण के लिए भी शांत नहीं होते। हम ध्यान-अभ्यास में बैठने की कोशिश करते हैं और अचानक कोई एक विचार आता है। जैसे कि जब हम धूप का आनंद ले रहे होते हैं और अचानक बादल घिर आते हैं या बारिश की बूंदें गिरने लगती हैं। उस समय हमारे पास दो विकल्प होते हैं। एक तो जो हम कर रहे हैं उसे करते रहें या दूसरा हम मौसम के बारे में सोचकर परेशान हो सकते हैं। अपना काम छोड़कर हम अपने घर में सुस्त होकर बैठ सकते हैं। इसी तरह जब हम ध्यान-अभ्यास कर रहे होते हैं तो जैसे ही प्रकाश दिखाई देने लगता है तो अचानक कोई विचार आ जाता है। हम या तो उस विचार से जुड़कर ध्यान से विचलित हो सकते हैं या हम अपना ध्यान उस आंतरिक प्रकाश पर केन्द्रित कर सकते हैं। कई विचार हमें ध्यान से विचलित करने के लिए तूफानी बादलों की तरह आते हैं। हम अतीत की घटनाओं के बारे में सोचते रहते हैं। हम शारीरिक रूप से ध्यान-अभ्यास में बैठते हैं लेकिन हम मन ही मन अपने ही विचारों के बदलते मौसम से घिर जाते हैं।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कर्नाटक की जीत से मजबूत होगी कांग्रेस

देश में विरोधी दलों को एक करने के प्रयास में लगे नीतीश कुमार को भी अच्छे से पता चल गया है कि कांग्रेस के बिना भाजपा विरोधी दलो को एक मंच पर लाना मुश्किल ही नहीं असंभव है। इसीलिए नीतीश कुमार स्वयं दिल्ली आकर कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी से व्यक्तिगत मुलाकात कर विपक्षी एकता को सिरे चढ़ाने की अपील कर चुके हैं। कांग्रेस पार्टी वर्षों से यूपीए गठबंधन चला रही है। जिसमें काफी संख्या में विरोधी दल शामिल है।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

कांग्रेस पार्टी के नेता इन दिनों उत्साह से भरे नजर आ रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद तो उनका उत्साह देखते ही बनता है। इससे पूर्व दिसम्बर में कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा का चुनाव जीता था। कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में कांग्रेस ने भाजपा की सरकार को हराकर चुनाव जीता है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा है। जिसका लाभ कांग्रेस पार्टी को आगामी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में व 2024 के लोकसभा चुनाव में मिल सकता है।

2014 के बाद लगातार हार पर हार झेल रही कांग्रेस पार्टी के लिए कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में चुनावी जीत एक नई संजीवनी साबित हुई है। अब कांग्रेस की राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक में सरकार बन गई है। वही झारखंड, बिहार व तमिलनाडु में कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल है। इस तरह से देखे तो कांग्रेस देश के सात प्रदेशों में सत्तारूढ़ है। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को कुछ खास सफलता नहीं मिली थी। इस दौरान कांग्रेस पार्टी बहुत से राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी हार कर सत्ता से बाहर हो गई थी। ऐसी स्थिति में कांग्रेस का कर्नाटक में भारी बहुमत से जीतना पार्टी के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

मलिकार्जुन खरगे के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहले हिमाचल और फिर कर्नाटक में कांग्रेस को जीत हासिल हुई है। जिससे उनके नेतृत्व क्षमता की भी धमक सुनायी देने लगी है। हालांकि कर्नाटक मलिकार्जुन खरगे का गृह प्रदेश है। जहां उन्होंने कई दशकों तक राजनीति की है। खरगे कर्नाटक के हर क्षेत्र व हर स्थिति से वाफिक है। जिसका फायदा उन्हें कर्नाटक के विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाने में भी मिला। मलिकार्जुन खरगे वर्षों से कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते उनके पास मुख्यमंत्री बनने का सुनहरा अवसर था। मगर उन्होंने केंद्र की राजनीति में ही रहना उचित समझा और अपने सुपुत्र प्रियांक खरगे को राज्य सरकार में मंत्री बनवा दिया।

कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत से कांग्रेस पार्टी के नेताओं का मनोबल तो ऊंचा हुआ है। इसके साथ ही दोनों प्रदेशों में आने वाले समय में कांग्रेस को राज्यसभा सीटों का भी फायदा मिलेगा। कर्नाटक में तो कांग्रेस ने भारी बहुमत हासिल किया है। ऐसे में उनकी राज्यसभा सीटें भी बढ़कर दोगुनी से अधिक हो जाएगी। इसके साथ ही कांग्रेस को कर्नाटक विधान परिषद में भी बहुत सीटों का लाभ मिलेगा।

देश में विपक्ष की राजनीति में हाशिए पर चल रही कांग्रेस पार्टी कर्नाटक चुनाव में जीत के बाद विपक्षी राजनीतिक में केन्द्रीय भूमिका में आ गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देश के सभी भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों की 12 जून को पटना में एक मीटिंग का आयोजन किया था। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी ने शामिल होने में असमर्थता प्रकट की थी। उस कारण से नीतीश कुमार ने 12 जून की मीटिंग को स्थगित कर उसके स्थान पर 23 जून को आयोजित कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में जीत के कारण ही ऐसा कर पाई है।

देश में विरोधी दलों को एक करने के प्रयास में लगे नीतीश कुमार को भी अच्छे से पता चल गया है कि कांग्रेस के बिना भाजपा विरोधी दलो को एक मंच पर लाना मुश्किल ही नहीं असंभव है। इसीलिए नीतीश कुमार स्वयं दिल्ली आकर कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी से व्यक्तिगत मुलाकात कर विपक्षी एकता को सिरे चढ़ाने की अपील कर चुके हैं। कांग्रेस पार्टी वर्षों से यूपीए गठबंधन चला रही है। जिसमें काफी संख्या में विरोधी दल शामिल है।

हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल, तेलंगाना के मुख्यमंत्री व भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव, बसपा अध्यक्ष मायावती, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी जैसे नेताओं को आज भी कांग्रेस से परहेज है। इन सभी नेताओं का अपने-अपने प्रदेशों में व्यापक जनाधार है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल जैसे प्रदेशों में कांग्रेस की वहां के सत्तारूढ़ दलों से सीधी टक्कर है। इस कारण वहां सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दलों से कांग्रेस का समझौता होना मुश्किल है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी पिछले दिनों कहा था कि जिस प्रदेश में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव है वहां कांग्रेस को चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। ऐसे में तो कांग्रेस बहुत कम क्षेत्र में सिमट कर रह जाएगी। इसका प्रतिवाद करते हुए लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी से किसी भी तरह का गठबंधन करने से इनकार कर दिया था।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी केंद्र सरकार के खिलाफ राज्यसभा में कांग्रेस से समर्थन मांग रहे हैं। मगर कांग्रेस के ही बहुत से वरिष्ठ नेताओं ने अरविंद केजरीवाल को किसी भी प्रकार का साथ देने का विरोध किया है। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि केजरीवाल कांग्रेस के वोटों को हथिया कर मजबूत हो रहा है। कांग्रेस के नेता भाजपा विरोधी दलों के गठबंधन में भी प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी का नाम आगे कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी आज भी लोकसभा व राज्यसभा में सबसे बड़ा दल है। देश के अधिकांश प्रदेशों में उनका प्रभाव है। ऐसे में यदि सभी विपक्षी दल मिलकर भाजपा को हरा देते हैं तो प्रधानमंत्री पद के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी सबसे उपयुक्त दावेदार होंगे। यदि विपक्षी दल इस बात पर सहमत है तो हम साथ आ सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिस तरह से कर्नाटक में धुआंधार चुनाव प्रचार किया गया था। उसके उपरांत भी कांग्रेस पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की थी। उसके बाद से विपक्षी दलों को लगने लगा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ग्लैमर अब ढ़लान पर है। ऐसे में उनके सामने प्रधानमंत्री पद के लिए मजबूत दावेदार को मैदान में उतारा जाए तो उनको आसानी से हराया जा सकता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी के सामने विपक्ष के सबसे मजबूत प्रत्याशी हो सकते हैं। अब देखना होगा कि आगामी 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की मीटिंग में क्या निर्णय लिया जाता है और उस मीटिंग से देश की राजनीति में कितना बदलाव हो सकेगा। उस पर ही विपक्षी एकता की बात निर्भर करेगी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा विरोधी दलों को लोकसभा चुनाव तक प्रधानमंत्री के चेहरे पर चर्चा ना कर भाजपा को हराने पर चर्चा करनी चाहिये। तभी विरोधी दल एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतर पाएगें व देश की जनता को भी भरोसा दिला पाएंगे कि यदि भाजपा हारती है तो विपक्षी दलों की तरफ से देश को एक सशक्त व टिकाऊ सरकार मिलेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

मासूमों की कब्रगाह बनते खुले बोरवेल

योगेश कुमार गोयल

मध्य प्रदेश के सीहोर में 300 फुट गहरे बोरवेल में गिरी ढाई साल की बच्ची सृष्टि आखिरकार 55 घंटे की जद्दोजहद के बाद जिंदगी की जंग हार गई। 6 जून की दोपहर एक बजे वह खेलते समय खेत में बने बोरवेल में गिर गई थी। हालांकि बच्ची को बोरवेल से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें निरन्तर अभियान में जुटी थीं, लेकिन उसे बोरवेल से निकालने का काम तब और कठिन हो गया था, जब वह 20 फुट की गहराई से फिसलकर बोरवेल में करीब 100 फुट नीचे चली गई थी। उसके बाद उसे बचाने के लिए रोबोटिक एक्सपर्ट की टीम की मदद ली गई, जिसने 8 जून की शाम को बच्ची को बाहर निकाल तो लिया लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस दर्दनाक हादसे से चंद दिन पहले 4 जून को गुजरात के जामनगर जिले में भी दो साल की एक बच्ची की 200 फुट गहरे बोरवेल में गिरकर मौत हो गई थी। बोरवेल में 20 फुट की गहराई पर फंसी उस मासूम को भी 19 घंटे के बचाव अभियान के बाद भी बचाने में सफलता नहीं मिली थी। 20 मई को जयपुर के भोजपुरा गांव में भी 9 साल का एक बच्चा 200 फुट गहरे बोरवेल में गिरकर 70 फुट की गहराई पर फंस गया था, लेकिन उसे कुछ घंटों की मशक्कत के बाद बचा लिया गया था। इसी साल 15 मार्च को मध्य प्रदेश में विदिशा जिले के लटेरी गांव में 7 साल के लोकेश की भी बोरवेल में गिरने से मौत हो गई थी। बीते कुछ ही वर्षों में बोरवेल के ऐसे अनेक दर्दनाक हादसे सामने आ चुके हैं, जिनमें कई मासूम दर्दनाक मौत की नींद सो चुके हैं। विडम्बना है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए समाज में कहीं कोई जागरूकता नजर नहीं आती। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स यानी एनडीआरएफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में कई बच्चे बोरवेल में गिर चुके हैं लेकिन उन्हें बचाने में करीब 70 फीसदी रेस्क्यू ऑपरेशन नाकाम रहे हैं। निरन्तर होते ऐसे हादसों को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि मासूम बच्चों की समाधि बनते इन बोरवेल हादसों के प्रति समाज से लेकर पूरा सिस्टम आखिर कब गंभीर होगा? एनडीआरएफ के मुताबिक बोरवेल उपयोग के मामले में भारत पूरी दुनिया में नंबर 1 पर है और बोरवेल से जुड़े अधिसंख्य हादसों में छोटे बच्चे ही शिकार बनते हैं, जिनमें से महज 30 प्रतिशत बच्चों के ही सुरक्षित बाहर निकाले जाने की संभावना होती है। बोरवेल में गिरने के करीब 92 प्रतिशत मामलों में 10 वर्ष से कम आयु के बच्चे ही होते हैं। भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देशभर में करीब 2.7 करोड़ बोरवेल हैं लेकिन सक्रिय बोरवेल की संख्या, अनुपयोगी बोरवेल की संख्या और उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर पर कोई डाटाबेस नहीं है। चिंता की बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बावजूद सिस्टम भी ऐसे हादसों को लेकर गंभीर नहीं है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, कानूनी संशोधनों और तमाम सख्ती के बावजूद ऐसे हादसे रुक नहीं रहे। बोरवेल खुदाई को लेकर अलग-अलग राज्यों के हाईकोर्ट के भी कई निर्देश हैं और इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी कलेक्टर की होगी, जो सुनिश्चित करेंगे कि केन्द्रीय या राज्य की एजेंसी द्वारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी मार्गदर्शिका का सही तरीके से पालन हो। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एसएच कपाड़िया, जस्टिस राधाकृष्णन और जस्टिस स्वतंत्र कुमार की सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने बच्चों को गंभीर बोरवेल हादसों से बचाने के लिए एक रिट पटीशन पर सुनवाई कर 6 अगस्त, 2010 को एक आदेश पारित किया था और उसी समय से यह फैसला देशभर में लागू है लेकिन इसका सही तरीके से पालन कराया जाना आज तक सुनिश्चित नहीं किया गया है। विडम्बना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त दिशा-निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास होते नहीं दिखे, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार बोरवेल की खुदाई से पहले कलेक्टर अथवा ग्राम पंचायत को लिखित सूचना देनी होगी। खुदाई करने वाली सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्था या ठेकेदार का पंजीयन होना चाहिए। बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डीएम, ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई वाले स्थान पर साइन बोर्ड लगाया जाना चाहिए और खुदाई के दौरान आसपास कंटीले तारों की फेंसिंग की जानी चाहिए तथा फेंसिंग पाइप के चारों ओर सीमेंट अथवा कंक्रीट का 0.3 मीटर ऊंचा प्लेटफार्म बनाना चाहिए। बोरवेल के मुहाने पर स्टील की प्लेट वेल्ड की जाएगी या उसे नट-बोल्ट से अच्छी तरह कसना होगा। बोरवेल की खुदाई पूरी होने के बाद खोदे गए गड्ढे और पानी वाले मार्ग को समतल किया जाएगा। खुदाई अधूरी छोड़ने पर मिट्टी, रेत, बजरी, बोल्डर से बोरवेल को जमीन की सतह तक भरा जाना चाहिए। अदालत के इन दिशा-निर्देशों का पालन कहीं होता नहीं दिख रहा और न ही नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई होती दिखती है। देश में प्रतिवर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवनभर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। वहीं रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। वैसे बोरवेल हादसों में बच्चों को बचाने में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वे स्वचालित तकनीकें क्यों नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। वहीं मासूम बचपन को बचाने के लिए समाज में जागरूकता लानी होगी ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

सरकारी लापरवाही से नागरिकों को नुकसान, जिम्मेदार कौन?

(लेखक- सनत जैन)

केंद्र सरकार और राज्य सरकारें नीतियां नियम और कानूनू बनाती हैं। उन्हें नागरिकों के लिए अनिवार्य किया जाता है। नागरिकों को अनिवार्यता होने के कारण मानने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं होता है। सरकार की नीतियोंएवं नये-नये नियम और कानूनों के कारण अब लोगों का आम जीवन बड़ी तेजी के साथ प्रभावित हो रहा है। आर्थिक क्षति और मानसिक कष्ट उठाने पड़ रहे हैं। सरकार की गलत नीतियों और सरकार के अधिकारियों, कर्मचारियों की लापरवाही से लाखों-करोड़ों नागरिकों को उसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। ऐसे समय में सरकार अपना पल्ला झाड़ लेती हैं। सरकारी कर्मचारी एक दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोप करके बचे रहते हैं। आर्थिक नुकसान और मानसिक कष्ट आम नागरिकों को जगह-जगह पर उठाना पड़ रहा हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि सरकार जो नियम और कानून तैयार करती है। उसके लिए सरकार की भी जिम्मेदारी तय होती है। लेकिन सरकार अपनी जिम्मेदारियों से बच निकलती है। नागरिकों के मौलिक अधिकार अब इसलिए भी और खतरे में पड़ते जा रहे हैं, कि न्यायालयों की भूमिका भी सरकार के लिये पक्षपाती पूर्ण हो गई है। भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था है। नियमों का पालन किया जाना सभी के लिए अनिवार्य है। जब नागरिकों के मौलिक अधिकार या और अन्य अधिकारों पर कोई बाधा उत्पन्न होती हैं। सरकार उनकी सुनवाई नहीं करती है। परिणाम स्वरुप वह न्यायालय की शरण में जाते हैं। लेकिन न्यायालयों का नजरिया भी सरकार के प्रति सहानुभूति पूर्वक और विशेषाधिकार वाला होता है। जिसके कारण आम नागरिक को न्यायालयों से भी न्याय नहीं मिल पाता है। हाल ही में कोरोना की कोविन ऐप के कारण केंद्र सरकार के ऐप से 100 करोड़ लोगों से ज्यादा डाटा लीक हो गया है। सरकार ने कोविन ऐप में नागरिकों से आधार कार्ड, पासपोर्ट, पैन कार्ड, जन्म तारीख इत्यादि की जानकारी अनिवार्य की थी। अब यह डाटा लीक हो गया है। मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर डाटा लीक होने से करोड़ों लोगों में हड़कंप मच गया है। इसी तरह बैंकों से खाता खुलवाने के समय भी सारी जानकारी बार-बार सरकार द्वारा एकत्रित कराई जाती है। आयकर विभाग और अन्य विभाग भी इसी तरीके की जानकारी एकत्रित करते हैं। उसके बाद यह जानकारी उनके पोर्टल से लीक हो जाती है। जिसके कारण नागरिक धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। सोशल मीडिया के क्षेत्र में लगी कंपनियां लोगों की जानकारी एकत्रित करते हैं। उसका उपयोग वह व्यापारिक कार्यों के साथ-साथ जानकारी बेचकर लाखों करोड़ों रुपए कमाती हैं। सरकार द्वारा इस धोखाधड़ी को रोकने और नागरिकों के हितों और अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए कोई उपाय नहीं किए गए। ऑनलाइन धोखाधड़ी पिछले कई वर्षों में बहुत तेजी के साथ बढ़ती ही जा रही है। इसमें नागरिकों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। जब भी सरकार के पास ऐसे मामले सामने आते हैं। तो जांच और कानून बनाने की बात कहकर सरकारें अपना पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन जिन नागरिकों को नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कैसे और किस तरह होगी, इसको लेकर सरकार चुप्पी साध लेती है। कोविन ऐप का डाटा कैसे टेलीग्राफ के पोर्टल पर पहुंचा. टेलीग्राम के बाट अकाउंट पर किसी भी व्यक्ति के मोबाइल नंबर डालने के बाद उसकी सारी जानकारी सामने आ जाती है। अपराधी और साइबर क्रिमिनल उसका दुरुपयोग करते हुए आम आदमी के साथ धोखाधड़ी और ठगी का काम कर रहे हैं। इससे लोग परेशान हैं। सरकार की कोई जिम्मेदारी तय नहीं हैं। न्यायालयों से भी आम नागरिकों को कोई न्याय नहीं मिल पा रहा है। जिससे नागरिकों के मौलिक अधिकार और नियमित जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। पिछले 2 दशक में ऑनलाईन कामकाज सरकार ने अनिवार्य कर दिया है। हर विभाग अपने-अपने नियम कानून बनाकर ऑनलाईन जानकारी लेता है।

सभी काम ऑनलाईन हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में डाटा लीक होने से लोगों को व्यापारिक निजी एवं आर्थिक रूप से धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ रहा है। लोगों की निजता खत्म हो रही है। निजता के मौलिक अधिकार सुरक्षित नहीं रहे। इससे लोगों में रोष बढ़ता चला जा रहा है

अप्रेजल का पक्ष-विपक्ष

अप्रेजल का समय किसी भी कर्मचारी के लिए बहुत उम्मीदों भरा होता है। इस दौरान उसके और अधिकारी के बीच का तालमेल ही उसकी काबिलियत की पारदर्शी झलक संस्थान के सामने रखता है। पिछले सप्ताह की सालाना अप्रेजल से जुड़ी विशेष रिपोर्ट को आगे बढ़ाते हुए आज प्रस्तुत है अप्रेजल प्रक्रिया से जुड़ी रिपोर्ट की अंतिम कड़ी।

कर्मचारी अपने प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए क्या करे, इस बारे में अधिकारी का अनुभव निश्चित तौर पर काम आ सकता है।

किसी भी संस्थान के लिए उसके कर्मचारियों का सालाना परफॉर्मेंस रिव्यू करना बेहद जरूरी होता है। परफॉर्मेंस रिव्यू के अनेक फायदे होते हैं। इसकी मदद से सुपरवाइजर अपने अधीनस्थों के साथ बेहतर रिश्ता जोड़ने में सफल होते हैं और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति भी आश्वस्त होते हैं। वहीं कर्मचारियों को इस बात का पता चलता है कि संस्थान और उनके अधिकारी उनसे क्या उम्मीदें रखते हैं। साथ ही उन्हें उनकी क्षमताओं की फिर से जानकारी, जरूरी कार्यक्षेत्रों का ज्ञान और सुपरवाइजर के साथ अपने संबंधों का सही अंदाजा लग पाता है। परफॉर्मेंस रिव्यू से जुड़े मुद्दे के प्रति उदासीनता के कारण कर्मचारियों का उत्साह तो गिरता ही है, मैनेजमेंट की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते हैं। इस कारण संस्थान की छवि पर भी असर पड़ता है और कई छोटे-छोटे कार्यों में ही मैनेजमेंट का काफी समय व्यर्थ जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार परफॉर्मेंस अप्रेजल के समय मैनेजर को कर्मचारी की परफॉर्मेंस के स्थान पर उसके व्यक्तित्व को ध्यान में रखना चाहिए। अप्रेजल के बाद बेहतरी की योजना को अमल में लाया जा सकता है। इस समय मैनेजर के पास उसके अधीनस्थ का परफॉर्मेंस रिकॉर्ड होना चाहिए। यह सामान्य आकलन होता है, जिसके दौरान मैनेजर कर्मचारी की परफॉर्मेंस का जायजा लेता है। इसी समय कर्मचारी के पास भी अपने लक्ष्यों को लेकर तस्वीर स्पष्ट होनी चाहिए। इसके बाद समय-समय पर मैनेजर व अधीनस्थ रूबरू मिलकर परफॉर्मेंस पर विस्तार से बात कर सकते हैं, यानी यह समय फीडबैक का होता है।

फीडबैक भी कर्मचारी की परफॉर्मेंस की बजाय उसके स्किल डेवलपमेंट से जुड़ा होना चाहिए। यदि मैनेजर केवल परफॉर्मेंस पर फोकस करता है, तो फीडबैक का महत्व घटता है और कर्मचारी अपने बचाव की मुद्रा में आ जाता है। इसलिए कर्मचारियों को उनकी समस्याओं पर विचारों के साथ आगे आने देना चाहिए। यदि कर्मचारी अपने सामने खड़ी समस्या को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाता, तो भी उसकी समस्याएं लंबे समय तक बनी रह सकती हैं।

दरअसल, अप्रेजल के बाद का समय मैनेजर की सक्रियता का होता है। इस समय उसे ही अपने अधीनस्थों से संबंधित सभी डेटा के आधार पर फैसले करने होते हैं। उसे देखना होता है कि जिन शर्तों पर कर्मचारियों को कंपनी में रखा गया था, वे उन शर्तों पर खरे उतर रहे हैं या नहीं! इस तरीके से सभी की परफॉर्मेंस और अप्रेजल को पारदर्शी तरीके से देखने में मदद मिलती है और कर्मचारियों के बीच वह उदासीनता भी दूर होती है, जिसके कारण वे अप्रेजल की प्रक्रिया को ही शक की निगाह से देखने लगते हैं। तो क्या होनी चाहिए अप्रेजल के दौरान और उसके बाद की प्रक्रिया, ताकि अधीनस्थ खुश रहें और अधिकारी भी संस्थान और अपने विभाग के पक्ष में अच्छा महसूस कर सकें?

अधिकारी की जिम्मेदारियां

मीटिंग

जहां तक संभव हो अधिकारी को कर्मचारी के पक्ष में फीडबैक के लेन-देन और आगामी योजनाओं के बारे में जानकारी के आदान-प्रदान को कर्मचारियों के साथ ही मीटिंग में स्पष्ट करना चाहिए। सही प्रक्रिया यह होगी कि कर्मचारियों को पहले बोलने दिया जाए और उनसे इनपुट प्राप्त किए जाए। इसके बाद अपने इनपुट भी रखने चाहिए। अधिकारी को अपने हरेक अधीनस्थ से ऐसे मुद्दों पर भी बात करनी चाहिए, जहां उनके विचार मेल न खाते हों। यदि किसी बात पर कोई कर्मचारी अपने बचाव की भूमिका बना रहा है, तो उस पर भी खुलकर बात करनी चाहिए। इस दौरान कर्मचारियों के व्यवहार पर ही बात करना उचित होता है, व्यक्तित्व या परफॉर्मेंस पर नहीं। अधिकारी को चाहिए कि वह किसी भी सवाल के जवाब में नकारात्मक शब्दों के प्रयोग से बचे। जहां जरूरी हो वहां अधीनस्थ के साथ खड़े होने की बात करे और मीटिंग सकारात्मक संदेश पर समाप्त हो।

पारदर्शिता

अधिकारी को चाहिए कि वह अपने अधीनस्थों की कार्य संबंधी जिम्मेदारियों से अच्छी तरह परिचित हो, ताकि अप्रेजल करते समय उसके निर्णय ठीक रहें। अधिकारी द्वारा अप्रेजल के दौरान दिए जाने वाले इनपुट्स में किसी भी कर्मचारी के वर्ण, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता या किसी किस्म की शारीरिक अक्षमता से जुड़ा कोई गैरजरूरी वक्तव्य नहीं होना चाहिए। इनपुट्स में कर्मचारी की बड़ी उपलब्धियों के अलावा उसके/उसकी कार्यक्षमताओं और कुछ कमियों का जिक्र ही होना चाहिए। कर्मचारी भविष्य में अपनी परफॉर्मेंस में सुधार लाने के लिए क्या कर सकता है, इस बारे में अधिकारी की ओर से भी कुछ विचार होने चाहिए। अधिकारी का अनुभव इस बारे में निश्चित तौर पर सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। कर्मचारी के व्यवहार के बारे में इनपुट देते समय अधिकारी को अपने अनुभव को ही आधार बनाना चाहिए, ना कि सुनी हुई बातों को।

नो सरप्राइजेज प्लीज!

किसी भी विभाग को कुशलता से चलाने का अच्छा तरीका यही होता है कि कार्य से जुड़े जो भी मुद्दे उठें, उन पर तुरंत अधिकारी और अधीनस्थों में बात हो। यही प्रक्रिया परफॉर्मेंस अप्रेजल के दौरान भी अमल में लाई जानी चाहिए, जिसकी जिम्मेदारी मूलतः अधिकारी की होती है। इस तरह अप्रेजल के बाद कर्मचारी को अच्छा या खराब, कोई सरप्राइज नहीं मिलेगा। ऐसा केवल उसी सूरत में मिलता है, जबकि अधिकारी अपने काम में कोई कमी छोड़ता है या फिर वह अप्रेजल प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता नहीं अपनाता। मीटिंग के दौरान काम से जुड़े हरेक मुद्दे पर बात करना ठीक रहता है, लेकिन कर्मचारी को उन सभी मुद्दों की जानकारी पहले से होनी चाहिए।

कुछ और बातें

कर्मचारी के डर

आजकल अधिकांश कर्मचारी कंपनियों में परफॉर्मेंस रिव्यू की प्रक्रिया से भली-भांति परिचित होते हैं। इसके बावजूद परफॉर्मेंस अप्रेजल के समय अधिकांश कर्मचारी एक तनावपूर्ण माहौल से गुजरते हैं। उन्हें लगता है कि खुद उनसे जुड़ी परिस्थितियों पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। वह इस दौरान खुद को लाचार महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर मैनेजरों को विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय देनी होती है, इसलिए वह खुद बहुत दबाव की स्थिति में रहते हैं। कर्मचारियों को अक्सर अप्रेजल के लिए होने वाली मीटिंग से पहले 'सेल्फ इवैल्युएशन फॉर्म' भी भरना होता है। परंतु यह प्रक्रिया भी अक्सर उन्हें बहुत लंबी और थकाऊ महसूस होती है।

अधिकारी के डर

यह भी देखा गया है कि किसी मुद्दे पर कर्मचारी के साथ तनाव होने की आशंका से बचने के लिए भी अधिकारी परफॉर्मेंस रिव्यू पर बात करने से हिचकते हैं। यह सच है कि मैनेजरों को अपने सभी अधीनस्थों की सालाना परफॉर्मेंस का विस्तृत जायजा लेना होता है, जिस काम में खासा समय लगता है। उन्हें इस काम में जल्दी इसलिए भी करनी होती है, क्योंकि मानव संसाधन (एचआर) विभाग की ओर से भी समयसीमा तय की जाती है। इसलिए समूची प्रक्रिया में कुछेक मुद्दों पर चाह कर भी वह अधिक समय नहीं दे पाते।

क्या करें?

विशेषज्ञों के अनुसार मैनेजरों को साल भर लगातार अपने अधीनस्थों से जुड़ा फीडबैक प्राप्त करना चाहिए। वह अपने विभाग में ऐसा वर्क कल्चर तैयार करें, जिसमें काम से जुड़े मुद्दों पर समय-समय पर विमर्श हो। इसके लिए प्रत्येक पद पर तैनात व्यक्ति से स्पष्ट अपेक्षाएं तय हों, जो सभी नए कर्मचारियों को भी काम के पहले ही दिन बता दी जाएं। अधिकारी को चाहिए कि वह अप्रेजल में परफॉर्मेंस पर बात करते समय पहले अधीनस्थ के विचार जाने। शुरुआत में वह कर्मचारी से खुद की परफॉर्मेंस का आकलन करने को कहे। बातचीत में ऐसे उदाहरण भी प्रस्तुत करें कि कहां कर्मचारी अपने लक्ष्य प्राप्त करने में कामयाब रहा और कहां उसे अधिक मेहनत की जरूरत है।

कैसे पहुंचें आप प्रमोशन की मंजिल तक!

नौकरी कर रहे लोगों के दिमाग में प्रमोशन का सवाल जब-तब उठता रहता है। कभी अपने अनुभव को लेकर उन्हें अपना मौजूदा पद कम दिखता है, तो कभी लंबे समय तक एक ही पद पर बने रहना अपनी योग्यता का अनादर लगता है। दरअसल, ऐसे कई कारण होते हैं, जिनकी वजह से योग्य व्यक्ति करियर की दौड़ में खुद को पिछड़ता महसूस करते हैं। बेशक इनमें से कुछ कारण जायज होते हैं और कुछ नहीं। तो बेहतर यही होगा कि अपने कारणों को पहले जानें और फिर उन पर कार्रवाई करें। कई बार योग्य व्यक्ति लंबे समय तक अपनी मौजूदा नौकरी में भी वही काम करता दिखता है, जो वह पिछले संस्थान में कर रहा था। यह भी एक बहुत बड़ा कारण होता है असंतुष्टि का। इसके अलावा एक अन्य कारण भी है, जिसे संभवतः सबसे बड़ा कहा जा सकता है। वह यह कि किन्हीं विशेष मानदंडों पर अन्य लोगों को तरक्की मिलना यदि संभव होता है, तो उन्हीं मानदंडों पर आपको क्यों नहीं?

सच यह है कि प्रमोशन के मामले में दो कारण विशेष तौर पर असर डालते हैं - पहला, कार्यस्थल पर किसी विशेष भूमिका या पद को तैयार किया जाना और दूसरा, उस भूमिका को निभाने के लिए किसी व्यक्ति विशेष का उत्साह या उसकी रजामंदी। इन दोनों कारणों में से पहले में आमतौर पर कर्मचारियों की कोई सीधी भूमिका नहीं होती और वह कारण उनके वश में भी नहीं होता, लेकिन दूसरा कारण उनके वश में होता है। वह नई भूमिका के लिए खुद तैयार होकर आगे आ सकते हैं। ऊपर लिखे दोनों पक्षों पर लगभग एक ही समय पर कार्रवाई होनी चाहिए। किसी नई जिम्मेदारी को निभाने के लिए कर्मचारी का खुद आगे आना उसे अधिकारी की नजर में भी ऊपर उठाता है। याद रखें कि अप्रेजल के समय दिखाया जाने वाला ऐसा ही उत्साह आपके काम भी आता है।

नई भूमिका की बात करें, तो इसके कई छोटे-छोटे पक्ष हो सकते हैं। उदाहरण के लिए अगर कंपनी के व्यवसाय पर कुछ विपरीत असर दिख रहे हैं, तो उसे दोबारा पटरी पर लाने के लिए कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। एक अन्य कारण इंडस्ट्री में उस नई भूमिका के चलन से जुड़ा भी हो सकता है। यदि विकास की दर ठीक चल रही है, तो ऐसे हालात में भी कुछ नए पदों पर विचार करना जरूरी हो जाता है।

अपने सभी खर्चों के लिए आपको पैसे की आज भी उतनी ही जरूरत है जितनी पहले कभी थी। अपनी पिछली प्रमोशन्स पर नजर डालें, तो उस दौरान जिन मानदंडों का इस्तेमाल किया गया था, आज भी वह उतने ही प्रासंगिक हैं। यह प्रक्रिया समय के साथ-साथ विकसित होती है। आपकी नई भूमिका के लिए आपसे और अधिक योग्यता दिखाने की उम्मीद की जाएगी, इसलिए यह पक्ष पूरी तरह से आपके काबू में है। याद रखें कि इस युग में एक ही व्यक्ति से कई तरह के काम किए जाने की उम्मीद की जाती है। इसके लिए आपको तैयार रहना होगा। लिहाजा, अवसर के सामने आने का इंतजार करते समय अपनी कार्यक्षमता के विभिन्न पक्षों पर काम करते रहें।

इंटरप्रेटर देश-विदेश में डिमांड

ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में करियर के बहुत-सेनए फील्ड डेवलप हुए हैं। इस ग्लोबलाइजेशन का असर भारत में भी पड़ा है। ऐसा ही एक फील्ड है लैंग्वेज इंटरप्रेटर। लैंग्वेज इंटरप्रेटर की डिमांड आज प्राइवेट कंपनीज से लेकर गवर्नमेंट ऑग्रेनाइजेशंस में भी देखी जा रही है। इस फील्ड में आने वाले युवाओं को अच्छी सैलरी के साथ-साथ देशिवदेश घूमने का पूरा मौका भी मिलता है। कई मल्टीनेशनल कंपनीज में अलग से लैंग्वेज इंटरप्रेटर को अप्वाइंट किया जाता है। जानकारों के मुताबिक जैसे- जैसे फॉरेन कंपनीज का विस्तार भारत में होगा, लैंग्वेज इंटरप्रेटर की डिमांड बढ़ती जाएगी

कार्य क्षेत्र

एक सफल इंटरप्रेटर अच्छा अनुवादक भी होता है। लैंग्वेज इंटरप्रेटर बनने के लिए सबसे पहले अपने आपको अनुवादक या ट्रांसलेटर के तौर पर स्थापित करना होता है। लैंग्वेज पर पूरी तरह से पकड़ बनानी पड़ती है। बात चाहे विदेशी फिल्मों की, हिंदी या दूसरी भाषाओं में डबिंग की हो, डेलिगेशन में लैंग्वेज को ट्रांसलेट करना हो या सीधे किताबों का अनुवाद करना हो, तो लैंग्वेज इंटरप्रेटर की जरूरत हर जगह होती है।

डिमांड

इंटरप्रेटर यानी द्विभाषिए की जरूरत कुछ समय पहले तक ज्यादा नहीं थी, लेकिन हाल ही के कुछ वर्षों में द्विभाषियों की जरूरत कई स्तरों पर महसूस की जाने लगी है। सरकार में लोकसभा-राज्यसभा से लेकर विदेश मंत्रालय में द्विभाषियों की जरूरत काफी ज्यादा है। विदेश में जाने वाले कई डेलिगेशन्स में मिनिस्टर्स अपने साथ इंटरप्रेटर (द्विभाषिए) जरूर ले जाते हैं। खासतौर पर चीन व कई यूरोपीय देशों में, रूस में और खाड़ी स्थित देशों में जाते समय इनकी ज्यादा जरूरत होती है।

स्किल्स

अनुवाद का काम महज डिग्री व डिप्लोमा से ही सीखा नहीं जा सकता। इसके लिए निरंतर अभ्यास और व्यापक ज्ञान की भी जरूरत पड़ती है। यह दो भाषाओं के बीच पुल का काम करता है। अनुवादक को इस कड़ी में स्रेत भाषा से लक्ष्य भाषा में जाने के लिए दूसरे के इतिहास और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का भी ज्ञान हासिल करना पड़ता है। एक प्रोफेशनल अनुवादक बनने के लिए कम से कम स्नातक होना जरूरी है। इसमें दो भाषाओं के ज्ञान की मांग की जाती है। उदाहरण के तौर पर इंग्लिश-हिंदी का अनुवादक बनना है, तो आपको दोनों भाषाओं के व्याकरण और सां स्कृतिक व ऐ तिहासिक पृष्ठभूमि का ज्ञान जरूर होना चाहिए। करियर के लिहाज से देखें, तो इंटरप्रेटर को प्रथम श्रेणी के अधिकारी का दर्जा प्राप्त होता है। विदेशी कंपनियों को किसी देश में व्यवसाय स्थापित करने या टूरिस्ट को भी इंटरप्रेटर की जरूरत पड़ती है। एक इंटरप्रेटर यहां भी स्वतंत्र रूप से अपनी सेवा दे सकता है।

कोर्स

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से परशियन लैंग्वेज में सर्टिफिकेट, बैचलर डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

कर्नाटक यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जर्मन लैंग्वेज और परशियन लैंग्वेज में बैचलर और पीएचडी कर सकते हैं।

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से जर्मन, फ्रेंच और इटैलियन, रशियन, जैपनीज लैंग्वेज में डिप्लोमा, डिग्री और मास्टर्स कर सकते हैं।

दिल्ली यूनिवर्सिटी से परशियन, फ्रेंच, जर्मन, इटैलियन, सरबियन लैंग्वेज में बैचलर डिग्री, मास्टर्स और पीएचडी कर सकते हैं।

जेएनयू दिल्ली से फ्रेंच, जर्मन, चाइनीज, स्पैनिश, जै पनीज लैंग्वेज में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और पीजी कोर्स कर सकते हैं।

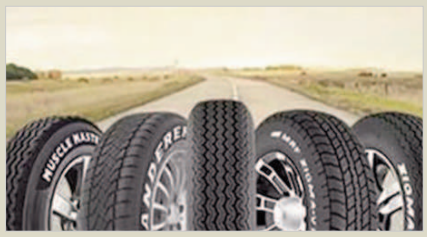

एक लाख रुपये से ऊपर पहुंचे एमआरएफ के शेयर, रचा इतिहास

नई दिल्ली । टायर बनाने वाली कंपनी एमआरएफ ने मंगलवार को शेयर बाजार में नया इतिहास रच दिया है। एमआरएफ के शेयर मंगलवार को 1 लाख रुपये के आंकड़े को पार कर गए हैं। यहां गौरतलब है कि एमआरएफ, पहला ऐसा शेयर है जिसने 1 लाख रुपये के लेवल को पार किया है। कंपनी के शेयर मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में 1.37 पर्सेंट की तेजी के साथ 100300 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते को लो लेवल 65,900.05 रुपये है। इस साल मई की शुरुआत में एमआरएफ के शेयर स्पॉट मार्केट में सिर्फ 66.50 रुपये के अंतर से 100,000 रुपये के लेवल तक पहुंचने से चूक गए थे। हालांकि, फ्यूचर मार्केट में एमआरएफ के शेयर 8 मई 2023 को 1 लाख रुपये के लेवल तक पहुंच गए थे। चेन्नई बेस्ड एमआरएफ कंपनी के टोटल 42,41,143 शेयर हैं, जिसमें से 30,60,312 शेयर पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास हैं। प्रमोटर्स के पास कंपनी के 11,80,831 शेयर हैं। जानकारी के अनुसार एमआरएफ के शेयरों में पिछले एक साल में 45 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। टायर कंपनी के शेयर 13 जून 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में 68,561.25 रुपये के स्तर पर थे। एमआरएफ के शेयर 13 जून 2023 को बीएसई में 100300 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, इस साल अब तक एमआरएफ के शेयरों में करीब 14 पर्सेंट की तेजी आई है। इस साल की शुरुआत में 2 जनवरी 2023 को कंपनी के शेयर 88,080.35 रुपये पर थे।

आईओबी ने मेरा खाता मेरा नाम की नई योजना शुरू की

मुंबई । चेन्नई स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने एक ऐसी योजना शुरू की है जो ग्राहकों को बचत खाता संख्या के रूप में कोई भी नाम चुनने की सुविधा देती है। आईओबी ने कहा कि यह बैंकिंग इंडस्ट्री में अपने तरह की पहली योजना है। बैंक ने 'मेरा खाता मेरा नाम' एक नई योजना शुरू की है। यह योजना ग्राहकों को अपने सभी बैंकिंग लेनदेन के लिए अपनी खाता संख्या के रूप में कोई भी नाम चुनने की अनुमति देती है। बैंक के सीईओ ने इस योजना को चेन्नई में अपने केंद्रीय कार्यालय से वचुंअल तौर पर लांच किया। यह योजना पूरे भारत में आईओबी के सभी 49 क्षेत्रीय कार्यालयों में उपलब्ध होगी। स्कीम के अनुसार खाते का नाम सात अक्षरों, या सात संख्याओं, या सात अल्फ़ान्यूमेरिक का कॉम्बिनेशन हो सकता है। ग्राहकों को अपने 15 अंकों का अकाउंट नंबर याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी। शुरू में,यह योजना आईओबी एसबी एचएनआई और आईओबी एसबी सैलरी अकाउंट ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराई गई है। इंडियन ओवरसीज बैंक ने विभिन्न ग्रुप के लोगों की जरूरतों के हिसाब से बेहतर तरीके से अपनी सभी बचत खाता योजनाओं में बदलाव किए हैं। इसमें वे लोग शामिल हैं जो वेतन प्राप्त करते हैं, बहुत अधिक संपत्ति वाले, छात्र, पेंशनर और सीनियर सिटिजन।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में 13.54 प्रतिशत बढ़ीः सियाम

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर 13.54 प्रतिशत बढ़कर 3,34,247 इकाई रही। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक मई 2022 में विनिर्माताओं ने डीलरों को यात्री वाहनों (पीवी) की 2,94,392 इकाई भेजीं। इस दौरान दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 14,71,550 इकाई रही, जो पिछले साल मई में 12,53,187 इकाई थी। इस तरह इसमें 17.42 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समीक्षाधीन अवधि में तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 48,732 इकाई थी, जबकि मई 2022 में यह आंकड़ा 28,595 इकाई था। सियाम ने कहा कि सभी श्रेणियों में कुल वाहन प्रेषण मई 2023 में 18,08,686 इकाई रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 15,32,861 इकाई था। सियाम के एक अे धिकारी ने कहा कि मई 2022 की तुलना में मई 2023 के दौरान सभी खंडों में वाहनों की थोक बिक्री में दोहरे अंकों में बढ़ी। उन्होंने कहा कि इन रुझानों के आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 418 , निफ्टी 115 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन मंगलवार को बाजार लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 418.45 अंक करीब 0.67 फीसदी बढ़कर 63,143.16 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक सेंसेक्स 63,177.47 के उच्च स्तर पर जाने के बाद 62,777.04 तक फिसला। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) में 114.65 अंक तकरीबन 0.62 फीसदी की तेजी रही और ये निफ्टी कारोबार के अंत में 18,716.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,728.90 तक ऊपर जाने के बाद 18,631.80 तक फिसला।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 19 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। एशियन पेंट्स के शेयर सबसे ज्यादा करीब 2.15 फीसदी तक चढ़े , इसके अलावा टाइटन, आईटीसी, रिलायंस और टाटा स्टील के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 11 शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इसमें कोटक बैंक के शेयर सबसे ज्यादा करीब 1.18 फीसदी तक गिरे। कोटक बैंक के अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक, एसबीआई और भारतीय एयरटेल के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई।

सेंसेक्स 258.73 अंक की बढ़त के साथ ही 62,983.44 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 73.35 अंक की बढ़त के साथ 18671.55 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। गत दिवस भी बाजार तेजी पर बंद हुआ था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 22 पैसे की बढ़त के साथ ही 82.20 पर बंद हुआ। व्यापक आर्थिक आंकड़ों के सकारात्मक रहने और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के बीच ही रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 82.40 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले सुबह 82.42 पर खुला और फिर अपने पिछले बंद भाव से तीन पैसे की बढ़त के साथ 82.40 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 82.46 के निचले स्तर पर पहुंच गया था हालांकि रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 82.43 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 फीसदी नीचे आकर 103.44 पर पहुंच गया।

वित्त वर्ष 23 में डिजिटल कर्ज बढ़कर 930 अरब पहुंचा

मुंबई । मार्च 2023 में समाप्त हुए वित्त वर्ष 23 में डिजिटल कर्ज सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़कर 92,848 करोड़ रुपए हो गया। यह जबरदस्त मांग और आर्थिक वृद्धि को उजागर करता है। वित्त वर्ष 22 में डिजिटल कर्ज 35,940 करोड़ रुपए था और यह वित्त वर्ष 21 में 13,461 करोड़ रुपए था। फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर इम्पॉवरमेंट ने बयान में कहा कि कम आधार और ज्यादा मांग के कारण डिजिटल उधारी उद्योग को महंगाई के दौर से गुजरना पड़ा। उधारी दिए गए ऋण मूल्य के मामले में वृद्धि कायम रही लेकिन साल की दूसरी तिमाही में इस इस वृद्धि में गिरावट आई। एफएसीई की सदस्य कंपनियों की वित्त वर्ष 23 में दिए गए डिजिटल ऋण की संख्या 7.26 करोड़ थी। वित्त वर्ष 22 में कोविड संबंधित चुनौतियां जबरदस्त ढंग से उपस्थित थीं और इस वर्ष में डिजिटल ऋण की संख्या 3.1 करोड़ थी। लिहाजा वित्त वर्ष 22 की तुलना में वित्त वर्ष 23 में यह संख्या दोगुनी से अधिक थी। डिजिटल ऋणदाताओं के इस औद्योगिक निकाय के मुताबिक समावेश आर्थिक वृद्धि के दौर में व्यापक रूप से उधारी की मांग बढ़ी थी। इस बढ़ी हुई मांग के आंकड़े असुरक्षित ऋण मुहैया कराने वाली डिजिटल उधारी की संभावनाओं और प्रभाव को उजागर करते हैं। वित्त वर्ष 22-23 की पहली छमाही में मांग तेजी से बढ़ी थी लेकिन तीसरी तिमाही में गिरावट आई और अंतिम तिमाही में सकारात्मक दायरे में बढ़ी।

प्रीमियम हैचबैक बलेनो कार बिकी सबसे ज्यादा

-बीते महीने बलेनो की 18,700 यूनिट्स बिकीं

नई दिल्ली ।

मारुति की प्रीमियम हैचबैक बलेनो कार मई 2023 की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीते महीने बलेनो की 18,700 यूनिट्स बिकीं।वहीं अप्रैल में बलेनो 16,180 यूनिट्स की सेल्स के साथ नंबर-3 पर थी।

आइए जानते हैं टॉप-10 कारों की सूची में किन कारों ने अपनी जगह बनाईज मई 2023 में मारुति बलेनो 18,700 यूनिट्स की बिक्री के साथ नंबर-1 कार रही।वहीं, मारुति स्विफ्ट 17,300 यूनिट्स की सेल्स के साथ दूसरे नंबर पर रही।मारुति वैगनआर को बीते महीने 16,300 यूनिट की सेल हासिल हुई और यह लिस्ट में तीसरे नंबर की कार रही।वहीं, हुंडई क्रेटा 14,449 यूनिट की बिक्री के साथ चौथे नंबर पर रही।टाटा नेक्सॉन ने 14,423 यूनिट की बिक्री के साथ पांचवा स्थान हासिल किया।वहीं, नेक्सॉन से पिछड़ते हुए मारुति ब्रेजा छठे नंबर पर आ गई।ब्रेजा की 13,398 यूनिट्स की सेल हुई।मारुति ईको 12,800 यूनिट की बिक्री के साथ सातवें नंबर पर रही।मारुति की कॉम्पैक्ट सेडान डिजायर 11,300 यूनिट की बिक्री के साथ आठवें नंबर पर रही।

टाटा की माइक्रो एसयूवी पंच 11,100 यूनिट के साथ नौवें नंबर पर रही।वहीं, मारुति अर्टिगा 10,500 यूनिट की बिक्री के साथ दसवें नंबर पर रही.मारुति बलेनो में 1.2-लीटर का नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलता है।यह इंजन 90बीएचपी की पॉवर और 113 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।बलेनो के साथ 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है।कंपनी बलेनो को सीएनजी वर्जन में भी पेश कर रही है।सीएनजी वैरिएंट में 77.49बीएचपी की पॉवर और 98.5 एनएम का टॉर्क मिलता है।फीचर्स की बात करें तो, मारुति बलेनो में वायरलेस ऐप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, आर्कामिस साउंड सिस्टम, हेड-अप डिस्प्ले और क्रूज कंट्रोल शामिल हैं। इसमें ऑटो एसी, पुश-बटन स्टार्ट/स्टॉप और कीलेस एंट्री भी है।सुरक्षा के लिहाज से 6 एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), हिल-होल्ड असिस्ट, सभी यात्रियों के लिए 3-पॉइंट सीटबेल्ट, आईएसओफिक्स एंकरेज, रियर पार्किंग सेंसर और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स दिए गए हैं। बता दें कि पिछले महीने कुछ टॉप सेलिंग कारों की बिक्री में उतार चढ़ाव देखा गया. बीते कुछ महीनों से ग्राहक जिस वैगनआर को जमकर खरीद रहे थे आज वह खिसकर नंबर-3 पर आ गई है। वहीं मारुति स्विफ्ट, क्रेटा और नेक्सॉन जैसी कारें भी पीछे रहीं। इतना ही नहीं, मारुति की टॉप सेलिंग कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा भी टॉप-5 में अपनी जगह नहीं बना पाई।

टाटा मोटर्सः 2025 तक इलेक्ट्रिक हो जाएगी जेएलआर

मुंबई ।

टाटा मोटर्स की लग्जरी कार ब्रांड जैगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने अपना भे विष्य की योजना बता दी है। टाटा संस के चेयरमेन एन चंद्रशेखरन ने कहा है कि कंपनी 2025 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक हो जाएगी। इतना ही नहीं जैगुआर के सभी मॉडल को भी इलेक्ट्रिक बनाया जाएगा। इसके साथ ही कंपनी ने आय का लक्ष्य भी बढ़ा दिया है। कुल मिलाकर जेएलआर को आधुनिक लग्जरी इलेक्ट्रिक व्हीकल ब्रांड बनाने की योजना है। कंपनी ने अपने आय के टारगेट को भी बढ़ा दिया है। चेयरमैन ने कहा कि वो लक्ष्य लेकर चल रहे हैं कि वित्त वर्ष 2024 के लिए 28 अरब पाउंड की आय हासिल हो। वित्त वर्ष 2026 के लिए 30 अरब पाउंड का लक्ष्य है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 तक नेट डेट को शून्य करने का लक्ष्य रखा है। बता दें कि मार्च 2023 में समाप्त हुए वित्त वर्ष में जेएलआर की आय 22.81 अरब पाउंड थी। पूरी तरह से इलेक्ट्रिक होने का लक्ष्य हासिल करने के लिए कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2026 तक प्रत्येक साल 3 अरब पाउंड का निवेश करने की है। जेएलआर का मुकाबला जर्मनी की प्रीमियम कार निर्माता बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज है। दोनों ही कंपनियां ने पहले ही कई इलेक्ट्रिक मॉडल बाजार में उतार दिए है। जेएलआर इसमें पिछड़ता हुआ नजर आ रहा है। अकेले बीएमडब्ल्यू ने साल के अंत तक चीन में 11 नए ईवी मॉडल पेश करने का वादा किया है। बीते 5 सत्र में टाटा मोटर्स के शेयर ने 2.47 फीसदी की तेजी दर्ज की है। सोमवार को शेयर 0.27 फीसदी की बढ़त के साथ 564 के स्तर पर बंद हुआ था। टाटा मोटर्स का शेयर वर्ष 2023 में 43 फीसदी और बीते एक साल में 39 फीसदी बढ़ा है।

आरबीआई ने बिहार राज्य सहकारी बैंक पटना पर 60.20 लाख का जुर्माना लगाया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बिहार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड, पटना पर नियामकीय प्रावधानों के उल्लंघन के लिए 60.20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 के बाद नाबार्ड की तरफ से किए गए निरीक्षण से पता चला कि यह सहकारी बैंक संदिग्ध लेनदेन को चिह्नित करने वाले सॉफ्टवेयर लगाने और उनकी जानकारी देने में नाकाम रहा था। इसके अलावा तय समय में वैधानिक सूचना भी बैंक ने नहीं दी थी। इसके अलावा बैंक चारों क्रेडिट सूचना कंपनियों को आंकड़ों का ब्योरा देने और निदेशकों की एक उपभोक्ता सेवा समिति गठित करने में भी विफल रहा। केंद्रीय बैंक ने आधिकारिक बयान में कहा कि बैंक को नोटिस जारी किया गया था और उसके जवाब को देखने के बाद यह जुर्माना लगाने का फैसला किया गया। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने नियामकीय अनुपालन में खामी के लिए जोवाई कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लि., मेघालय पर भी छह लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

अमेरिका में तेजी से कम हो रही सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों

न्यूयॉर्क ।

अमेरिक के वित्तीय परिदृश्य में एक अजीब प्रवृत्ति सामने आई है कि सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों की संख्या कम हुई है। रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। मीडिया रिपोर्ट ने बताया कि अमेरिकी एक्सचेंजों पर कारोबार करने वाली सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों की संख्या 1996 में अपने चरम पर थी, इसमें काफी गिरावट आ गई है। उसके बाद संख्या 8,000 कंपनियों से अधिक हो गई। सेंटर फॉर रिसर्च इन सिक्योरिटी प्राइसेज के आंकड़ों के मुताबिक, आज यह संख्या 50 फीसदी से ज्यादा घटकर सिर्फ 3,700 रह गई है। ऐसा नहीं है कि अमेरिका में 30 साल पहले की तुलना में आधी कंपनियां रह गई हैं, बल्कि हुआ यह है कि कंपनियों का तेजी से निजीकरण हो रह रहा है और ऐसी कंपनियां जनता की नजर से बाहर हैं।

सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों का विनियामक द्वारा निरीक्षण किया जाता है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित करने और निवेशकों का विश्वास बनाए रखने में मदद मिलती है। इस मामले में अर्थशास्त्रियों का कहना है कि 2020 में महामारी से प्रेरित मंदी और आकाश-उच्च मुद्रास्फीति दरों के बाद के चक्र ने गिरावट की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया है। नरम अर्थव्यवस्था और बाजार की अस्थिरता के डर ने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकशों (आईपीओ) को लगभग पूरी तरह से सूखने का कारण बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में यूएस आईपीओ बाजार 94.8 प्रतिशत गिरकर 8 अरब डॉलर हो गया, जो 32 साल का निचला स्तर है। मंदी जारी है, इसकारण 2023 की पहली तिमाही में नए स्टॉक का कुल पूंजीकरण पिछले वर्ष की तुलना में 60 प्रतिशत कम हो गया। इस बीच, दिवालियापन 2010 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, एक्सचेंजों से बेड बाथ और बियॉन्ड और पार्टी सिटी जैसे नामों को मिटा रहा है।

सस्ती सब-कॉम्पैक्ट एक्सयूवी में वेन्यू ने मचाया धमाल

मई 2023 में सबसे ज्यादा बिकी

मुंबई ।

हुंडई की एसयूवी को भारतीय बाजार में काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। एसयूवी सेगमेंट में हुंडई क्रेटा सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक है। लेकिन, जानकर हैरानी होगी कि मई 2023 में हुंडई की सस्ती सब-कॉम्पैक्ट एक्सयूवी वेन्यू ने बिक्री में कमाल की ग्रोथ दर्ज की है। वैसे एसयूवी की बिक्री में नंबर-1 पर हुंडई क्रेटा रही, लेकिन हुंडई वेन्यू ने मई 2023 के महीने में 23 फीसद की ग्रोथ दर्ज की है। वेन्यू ने पिछले साल मई 2022 में 8,300 यूनिट्स के मुकाबले 10,213 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जो इसकी 23 फीसद ग्रोथ को दिखाता है।

इस बेहतरीन एसयूवी ने महिंद्रा स्कॉर्पियो, मारुति ग्रैंड विटारा, मारुति फ्रॉंक्स, किआ सोनेट और महिंद्रा एक्सयूवी 700 को पीछे छोड़ दिया और नंबर-5 पर अपना कब्जा जमा लिया।

हुंडई वेन्यू में सेफ्टी के लिए 6 एयरबैग, रियर पार्किंग सेंसर, पार्किंग असिस्ट रियर कैमरा, हिल असिस्ट कंट्रोल, ऑटोमैटिक हेडलैम्प, व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और टायर प्रेशर कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं।

सरकार ने अगले साल मार्च तक गेहूं पर भंडारण सीमा लागू की

नई दिल्ली ।

सरकार ने 15 वर्ष में पहली बार गेहूं की बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने के लिए मार्च, 2024 तक तत्काल प्रभाव से गेहूं पर भंडारण सीमा लागू कर दी। सरकार ने खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत पहले चरण में केंद्रीय पूल से थोक उपभोक्ताओं और व्यापारियों को 15 लाख टन गेहूं बेचने का भी फैसला किया है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि पिछले महीने में गेहूं की कीमतों में तेजी आई है। मंडी स्तर पर कीमतों में करीब आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, थोक और खुदरा कीमतों में इतना इजाफा नहीं हुआ है, लेकिन सरकार ने गेहूं पर स्टॉक सीमा लगा दी है। यह स्टॉक लिमिट, व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी खुदरा श्रृंखला विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं पर 31 मार्च, 2024 तक के लिए लगाई गई है। गेहूं पर आयात शुल्क कम करने के बारे में सचिव ने कहा कि नीति में बदलाव की कोई योजना नहीं है क्योंकि देश में पर्याप्त आपूर्ति है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध भी जारी रहेगा। देश के पास गेहूं का पर्याप्त भंडार है। किसानों और व्यापारियों के पास स्टॉक है और कुछ असामाजिक तत्वों के पास भी स्टॉक हैं। हम आयात के बारे में नहीं सोच रहे हैं क्योंकि देश में गेहूं की कोई कमी नहीं है। गेहूं के अलावा सरकार ने ओएमएसएस के तहत चावल को उतारने का फैसला किया है और इसकी मात्रा के बारे में बाद में अंतिम रूप से तय किया जाएगा। अधिकारी ने यह भी कहा कि चीनी के और निर्यात की अनुमति देने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

कच्चे तेल में तेजी, पेट्रोल और डीजल की कीमत कुछ राज्यों में बदली

- ब्रेंट क्रूड 0.17 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 72.01 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को हल्की तेजी दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.09 डॉलर बढ़कर 67.21 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.17 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 72.01 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत जारी कर दी है।

महाराष्ट्र में पेट्रोल 66 पैसे और डीजल 64 पैसे महंगा होकर बिक रहा है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल के दाम में 18 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। राजस्थान में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में हल्की तेजी है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 29 और डीजल 28 पैसे सस्ता हो गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर व उत्तर प्रदेश में भी ईंधन की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। इसके अलावा अधिकांश राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.80 रुपए और डीजल 94.40 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपए और डीजल 89.94 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

रोहित शर्मा के कप्तान बने रहने पर संदेह, वेस्टइंडीज दौरे के बाद होगा फैसला

लंदन। (एजेंसी)। भारतीय टीम हाल ही में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप हारी है। इस मुकाबले में भारतीय टीम के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद से लगातार भारतीय टीम पर कई सवाल खड़े किए जा रहे है। इसी बीच संभावना जताई जा रही है कि रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया जा सकता है।

जानकारी के मुताबिक रोहित शर्मा की टेस्ट कप्तानी को हाल में कोई खतरा नहीं है। मगर कप्तानी को बचाए रखने के लिए रोहित शर्मा को कप्तान के तौर पर वेस्टइंडीज में शानदार प्रदर्शन करना होगा। रोहित शर्मा वेस्टइंडीज में दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। माना जा रहा है कि इस सीरीज के बाद भारतीय टीम के लिए नए कप्तान को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) बैठक कर सकता है।

रोहित को खेलनी होगी बड़ी पारी

जानकारी के मुताबिक रोहित शर्मा अगर 12 जुलाई से डोमीनिका में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की श्रृंखला में कप्तानी से स्वयं हटने का फैसला नहीं करते हैं तो वह टीम की अगुआई करेंगे। हालांकि इस सीरीज में रोहित शर्मा को बड़ी पारी खेलनी होगी। अगर इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा का बल्ला नहीं चलेगा तो उन पर काफी परेशानियां हो सकती है। रोहित हालांकि डोमीनिका या पोर्ट ऑफ स्पेन में होने वाले दूसरे टेस्ट (20 से 24 जुलाई) में अगर कोई बड़ी पारी नहीं खेलते हैं तो बीसीसीआई के आला अधिकारियों और राष्ट्रीय चयन समिति पर कड़ा फैसला करने का दबाव होगा।

फॉर्म को देखकर होगा फैसला

बीसीसीआई एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, ''ये निराधार बातें हैं कि रोहित को कप्तानी से हटा दिया जाएगा। हां, क्या वह पूरे दो साल के डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) चक्र में बरकरार रहेगा, यह एक बड़ा सवाल है क्योंकि 2025 में तीसरा चक्र समाप्त होने पर वह लगभग 38 वर्ष का होगा।'' उन्होंने कहा, ''फिलहाल मेरा मानना है कि शिव सुंदर दास और उनके सहयोगियों को दो टेस्ट के बाद और उनकी बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए फैसला करना होगा। असल में बीसीसीआई अन्य खेल बोर्ड से बहुत अलग तरीके से काम करता है। भारतीय बोर्ड में शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि जब आलोचना चरम पर पहुंच जाती है तो आप फैसले नहीं लेते।

सूत्र ने कहा, ''वेस्टइंडीज दौरे के बाद दिसंबर के अंत तक कोई टेस्ट नहीं है जब टीम दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करेगी। इसलिए चयनकर्ताओं के पास विचार-विमर्श करने और निर्णय लेने के लिए पर्याप्त समय है। तब तक पांचवां चयनकर्ता (नया अध्यक्ष) भी समिति में शामिल हो जाएगा और तब फैसला किया जा सकता है।'' जो लोग भारतीय क्रिकेट की जानकारी रखते हैं वे जानते हैं कि जब विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला हारने के बाद टेस्ट कप्तानी छोड़ी थी तो रोहित शुरू में पारंपरिक प्रारूप में कप्तान बनने के लिए बहुत उत्सुक नहीं थे क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि उनका शरीर साथ देगा या नहीं। सूत्र ने कहा, ''उस समय के दो शीर्ष अधिकारियों (पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह) को लोकेश राहुल के दक्षिण अफ्रीका में कप्तान के रूप में प्रभावित करने में विफल रहने के बाद उन्हें यह भूमिका निभाने के लिए राजी करना

पड़ा।''

नागपुर के चुनौतीपूर्ण विकेट पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 120 रन के शानदार स्कोर को छोड़कर रोहित ने उस तरह की पारियां नहीं खेली हैं जैसी उनकी क्षमता के खिलाड़ी से उम्मीद की जाती है। रोहित के 2022 में टेस्ट कप्तानी संभालने के बाद से भारत ने 10 टेस्ट खेले जिसमें से तीन में वह नहीं खेले। उन्होंने इस दौरान सात टेस्ट में 390 रन बनाए और उनका औसत रहा। उन्होंने इस दौरान एक शतक जड़ा लेकिन इसके अलावा कोई अन्य स्कोर 50 रन से ऊपर नहीं था। इसी दौरान विराट कोहली ने सभी 10 टेस्ट खेले। उन्होंने 17 पारियों में 517 रन बनाए और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 186 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। चेतेश्वर पुजारा ने इस दौरान आठ टेस्ट की 14 पारियों में 482 रन बनाए जिसमें दो नाबाद पारियां भी शामिल रहीं। उनका औसत 40.12 रहा लेकिन उन्होंने 90 और 102 रन की दो पारियां बांग्लादेश की कमजोर टीम के खिलाफ खेली।

सिंधु यहां इंडोनेशिया ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची

-प्रणय भी जीते, त्रीशा और गायत्री हारे

जकार्ता (एजेंसी)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने यहां इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 प्रतियोगिता के पहले दौर में जीत के साथ ही प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिंधु ने स्थानीय खिलाड़ी ग्रिगोरिया मारिस्का तुंजुंग को महिला एकल में सीधे गेम में 21-19 21-15 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाया। सिंधु की ग्रिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत है। उन्हें इंडोनेशिया की इस खिलाड़ी ने इससे पहले मैड्रिड और मलेशिया मास्टर्स में हराया था।

सिंधु के खिलाफ ग्रिगोरिया ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 9-7 से बढ़त बनाई पर इसके बाद इस भारतीय खिलाड़ी ने तेजी से अंक हासिल किये और ग्रिगोरिया की लगातार तीन गलतियों के साथ ही ब्रेक से 11-10 की बढ़त बना ली और इसके बाद गेम जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में सिंधु ने बेहतर खेल दिखाया। ग्रिगोरिया ने भी काफी गलतियां की जिसका लाभ उठाकर सिंधु ने गेम और मैच जीत लिया। सिंधु की ग्रिगोरिया के खिलाफ 10 मैच में यह आठवीं जीत है जबकि उन्हें दो बार हार झेलनी पड़ी है।

सिंधु अग अब अगले दौर में तीसरी वरीयता प्राप्त ताइ जू यिंग से खेलना है। ताइवान की इस खिलाड़ी ने सिंधु के खिलाफ पिछले लगातार आठ मुकाबले जीते हैं और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 18-5 है। वहीं पुरुष एकल में भारत के एचएस प्रणय भी जापान के केंटा निशिमोटो के खिलाफ जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये। प्रणय ने सीधे गेम में निशिमोटो को 21-16 21-14 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रणय अब अगले दौर में हांगकांग के लोंग एंगस से खेलेंगे। वहीं महिला युगल में भारत की ही त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी पहले दौर में ही जापान की ही रिंग इवानागा और केई नाकानिशी की जोड़ी से 22-20 12-21 16-21 से हारकर बाहर हो गयी।

महिला एमर्जिंग एशिया कप क्रिकेट में भारत ने हांगकांग को हराया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय अंडर-23 टीम ने हांगकांग में जारी महिला एमर्जिंग एशिया कप में मेजबान टीम को नौ विकेट से हराकर अच्छी शुरुआत की है। भारतीय टीम की जीत में स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की अहम भूमिका रही। श्रेयंका ने दो रन देकर पांच विकेट लिए।

पहली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से अच्छा प्रदर्शन करने वाली श्रेयंका की स्पिन के सामने हांगकांग की टीम टिक नहीं पायी और 14 ओवर में ही 34 रनों पर सिमट गयी। हांगकांग की ओर से सलामी बल्लेबाज मारिको हिल ने 19 गेंद में 14 रन बनाए। वहीं बाएं हाथ की स्पिनर मन्नत कश्यप ने दो रन देकर दो विकेट और लेग स्पिनर पार्शवी चोपड़ा ने 12 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले छोटे से लक्ष्य को भारतीय टीम ने जी त्रीशा की नाबाद 19 रन की पारी से 5.2 ओवर में एक विकेट पर 38 रन बनाकर ही हासिल कर लिया।

सुरेश रैना फिर मैदान पर दिखेंगे, इस लीग में हिस्सा लेने के लिए हैं तैयार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर और मिस्टर आईपीएल सुरेश रैना के फैंस के लिए खुश खबरी है। अब फैंस जल्द ही सुरेश रैना को फिर से मैदान पर खेलते हुए देख सकेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग में अपना जलवा बिखेरने के बाद फिर से वो एक लीग में खेलते हुए दिखेंगे।

भारतीय क्रिकेट के खिलाड़ियों को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड किसी अन्य विदेशी लीग में खेलने की इजाजत नहीं मिलती है। किसी खिलाड़ी को इन लीग में खेलने के लिए क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से सन्यास लेना पड़ता है। अब एक भारतीय क्रिकेट का पूर्व खिलाड़ी सन्यास लेने के वर्षों बाद फिर से क्रिकेट के मैदान में खेलता हुआ दिखाई देगा।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और इंडियन प्रीमियर लीग टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के सबसे सफल बल्लेबाजों में शुमार सुरेश रैना जल्द ही विदेशी लीग में खेलते हुए दिख सकते है। सीएसके के लिए लंबे समय तक धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले सुरेश रैना अब नई विदेशी लीग में अपने बल्ले से धमाल मचाते दिख सकते है। सुरेश रैना लंका प्रीमियर लीग में खेलते हुए दिखाई देंगे। इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 14 जून को होनी है।

इस लीग को लेकर श्रीलंका क्रिकेट काउंसिल की ओर से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेटरों की सूची जारी की गई है। इस सूची में उन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं जो टूर्नामेंट में शामिल होने वाली टीमों के खिलाड़ी बनने के लिए नीलामी में हिस्सा लेंगे। इस लीग की शुरुआत 31 जुलाई से होगी, जिसमें कुल पांच टीमें हिस्सा लेंगी।

12 जुलाई से शुरू होगा भारतीय टीम का वेस्टइंडीज दौरा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह जुलाई में वेस्टइंडीज का दौरा करेगी। भारतीय टीम 12 जुलाई से शुरू हो रहे वेस्टइंडीज दौरे में दो टेस्ट मैच, तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच खेलेगी। भारतीय टीम के दौरे की शुरूआत टेस्ट सीरीज से होगी जिसके बाद 13 अगस्त तक चलने वाले इस दौरे में एकदिवसीय मैच और अंत में पांच टी-20 मैचों की सीरीज होगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच डोमिनिका के विंडसर पार्क में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट 20 से 24 जुलाई के बीच त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल मैदान में खेला जाएगा।

टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी होगी, इसमें पहले दो मैच 27 और 29 जुलाई को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेले जाएंगे। वहीं तीसरा एकदिवसीय मैच एक अगस्त को त्रिनिदाद में ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। इसके बाद पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

डब्ल्यूटीसी में हार के बाद भारतीय टीम में बदलाव तय : कार्तिक

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में मिली हार के बाद अब भारतीय टीम में बदलाव होने तय हैं। भारतीय टीम के वेस्टइंडीज दौरे का कार्यक्रम जारी हो गया है। इस दौरे के साथ ही डब्ल्यूटीसी का नया सत्र भी शुरु हो जाएगा। भारतीय टीम 12 जुलाई से 13 अगस्त के बीच दो टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 5 टी-20 अंतराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार टी-20 सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। इसके अलावा चेतेश्वर पुजारा का बाहर होना भी तय है। पुजारा डब्ल्यूटीसी मुकाबले में रन नहीं बना पाये थे। हाल में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी सामने आये हैं और माना जा रहा है कि अब टीम प्रबंधन उन्हें अवसर देगा।

वहीं अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इस मामले को लेकर कहा कि कई अनुभवी खिलाड़ी 30 वर्ष के हो गय हैं। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पर ये निर्भर रहेगा कि वह किसे रखना चाहते हैं और किसके साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। जसप्रीत बुमराह, राहुल, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत इस टीम में फिट होते हैं। ये तीनों ही अभी फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं।

कार्तिक ने उन खिलाड़ियों का नाम भी बताया, जिन्हें टेस्ट लाइन-अप में रखा जा सकता है। इसमें पहले नंबर पर यशस्वी जायसवाल हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सरफराज खान हैं। सरफराज ने भी घरेलू क्रिकेट में जमकर रन बनाये हैं। अन्य नाम तेज गेंदबाज मुकेश कुमार का है।

उन्होंने कका कि गेंदबाज के रूप में उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर प्रभावी नहीं थे और रोहित ने सोचा होगा। हां शार्दुल ने बल्ले से योगदान दिया, लेकिन क्या हम हमेशा उसे एक ऐसे गेंदबाज के रूप में देखेंगे, जो बल्लेबाजी कर सकता है या एक शुद्ध ऑलराउंडर। मैं एक ऐसे गेंदबाज के रूप में अधिक सोचूंगा जो बल्लेबाजी कर सकता है।

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण की जांच के लिए कजाकिस्तान सहित तीन देशों के हॉकी संघ से फुटेज और तस्वीरें मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने यौन शोषण के आरोपों में फंसे भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब दिल्ली पुलिस ने इस मामले में तीन देशों के हॉकी संघों से भी सहायता मांगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने कजाकिस्तान, मंगोलिया और इंडोनेशिया के हॉकी संघों से सीसीटीवी फुटेज और तस्वीरें देने के लिए कहा है। इसका कारण है कि महिला पहलवानों ने साल 2016, 2018 और 2022 में इन देशों के दौरे के दौरान यौन उत्पीड़न किए जाने के आरोप लगाए थे। ऐसे में पुलिस इन देशों की सहायता से भी बृज भूषण के खिलाफ

साक्ष्य एकत्र कर रही है।

महिला पहलवानों ने बृज भूषण पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। इसी मामले में पहलवानों ने बृज भूषण की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए जंतर मंतर पर धरना-प्रदर्शन भी किया था। हाल ही में पहलवानों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केन्द्रीय खेलमंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात के बाद अपने धरने को 15 जून तक के लिए निलंबित कर दिया था। वहीं अब पहलवानों ने धमकी दी है कि यदि 15 जून तक बृज भूषण की गिरफ्तारी नहीं होती तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। दूसरी ओर कुश्ती महासंघ में चुनाव की तैयारियां जारी हैं। इसके लिए 4 जुलाई को चुनाव आयोजित होंगे। बृज भूषण यह चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इसकी वजह उनका तीन बार का अध्यक्ष के तौर पर रहने का कार्यकाल है। नियमों के तहत अब वह किसी पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।

काइलियन एम्बाप्पे अगले सीजन में छोड़ेंगे पीएसजी का साथ, खुद दी जानकारी

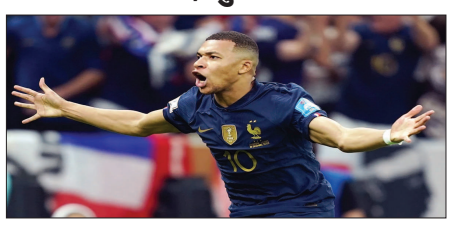

पेरिस सेंट-जर्मेन से खेलने वाले 24 वर्षीय काइलियन एम्बाप्पे क्लब के साथ अपने अनुबंध को दोबारा साइन नहीं करेंगे। अब किलियन एम्बाप्पे ने क्लब के साथ अपने रास्ते जुदा कर लिए है। वह अनुबंध में एक साल के विकल्प का उपयोग करने की योजना नहीं बना रहा है। किलियन एम्बाप्पे का पीएसजी के साथ अनुबंध अगले सत्र में समाप्त हो जाएगा। मगर अब इस अनुबंध को वो रिन्यू नहीं करेंगे। इसकी जानकारी खुद एम्बाप्पे ने क्लब को भी दे दी है। बता दें कि इससे पहले किलियन एम्बाप्पे मैड्रिड के लिए खेलते थे मगर उन्होंने मैड्रिड के लिए खेलना छोड़ा। इसके साथ ही उन्होंने दो वर्षों के लिए पेरिस के क्लप पीएसजी के साथ खेलना चुना था। वहीं अब उन्होंने ये साफ कर दिया है कि वर्ष 2024 से अधिक वो क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट नहीं बढ़ाएंगे। इसके बाद वो फ्रांस के क्लब के साथ काम नहीं करेंगे। वहीं किलियन एम्बाप्पे किसी अन्य कल्ब के साथ काम करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

इस क्लब का अपना सकते हैं साथ

एम्बाप्पे पीएसजी के साथ अपने अनुबंध को नहीं बढ़ाने की स्थिति में रियल मैड्रिड समेत कई लोगों के साथ अलग ही व्यवहार करते हुए सभी को चौंका दिया है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले मैड्रिड और एम्बाप्पे के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। संभावना थी कि एम्बाप्पे मैड्रिड के साथ जुड़ेंगे मगर दोनों के बीच संबंध ठीक नहीं थे। वहीं अब क्लब को उम्मीद है कि किलियन उनका साथ देंगे। जानकारी है कि दोनों के बीच इस संबंध में बातचीत भी चल रही है।

ऐसा रहा है किलियन एम्बाप्पे का करियर

फ्रांस की टीम के स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने फीफा विश्व कप के दौरान धमाकेदार प्रदर्शन कर सभी को चौंकाया था। इसके बाद वो पेरिस सेंट जर्मन के साथ शामिल हुए थे। उन्होंने यूईएफए चैंपियंस लीग में पीएसजी के लिए 31वां गोल भी किया था। वो अब तक छह सीजन के खेल के दौरान क्लब के लिए 260 मैच खेल चुके हैं और 212 गोल कर चुके है।

बीसीसीआई नहीं चाहता था विराट टेस्ट कप्तानी छोड़ें : गांगुली

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि विराट कोहली के टेस्ट कप्तानी छोड़ने का कारण वही बता सकते हैं। कोहली ने जिस समय कप्तानी छोड़ी थी, उस समय गांगुली ही बीसीसीआई अध्यक्ष थे और दोनो के बीच मतभेद की बातें भी सामने आयीं थीं। गांगुली ने कहा, बीसीसीआई विराट कोहली के टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने पर सहमत नहीं था। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद उनका ये फैसला हमारे लिए अप्रत्याशित था। विराट ने कप्तानी क्यों छोड़ी, वे ही इस बारे में बता सकते हैं हालांकि इस बारे में बात करने का अब मतलब नहीं है क्योंकि कोहली के टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद चयनकर्ताओं को नये कप्तान का चयन करना था। ऐसे में सबसे बेहतर विकल्प के तौर पर रोहित शर्मा को कप्तानी दी गयी।

वहीं कप्तान बदलने का भी कुछ खास लाभ नहीं हुआ क्योंकि रोहित भी आईसीसी टूर्नामेंट में अब तक असफल रहे हैं। टी20 विश्वकप के बाद टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी हार मिली.

गांगुली ने कहा कि मैं चाहता हूं कि रोहित निडर होकर टीम का नेतृत्व करें। हमारे पास विश्व कप की तैयारी के लिए काफी समय है। टीम में रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह हैं. हालांकि बुमराह के फिट होने को लेकर अभी कोई नहीं जानता। गांगुली ने कहा कि टीम में मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज भी हैं। यह टीम जीतेगी।

विंडीज दौरे में पुजारा और उमेश की जगह यशस्वी और मुकेश को मिल सकता है अवसर

-टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए रिंकू, जितेश व मोहित को जगह मिलना तय

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम की हार के बाद अब दो अनुभवी क्रिकेटरों चेतेश्वर पुजारा और उमेश यादव का टीम से बाहर होना तय है। पुजारा और उमेश लंबे समय से लय में नहीं है और इनकी उम्र भी बढ़ रही है। ऐसे में इन क्रिकेटरों की जगह पर युवा खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को अगले माह होने वाले वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में जगह मिलना तय माना जा रहा है। माना जा रहा है कि अनुभवी खिलाड़ियों की बढ़ती उम्र और खराब प्रदर्शन को देखते हुए चयन समिति भविष्य के मुश्किल दौरों के लिए खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करना चाहती है। भारतीय टीम का वेस्टइंडीज दौरा एक महीने का होगा। इस दौरे की शुरुआत 12 जुलाई से दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से होगी। टीम इसके बाद तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की श्रृंखला भी खेलेगी जिसमें हार्दिक पंड्या की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों की टीम मैदान में उतरेगी। इस टीम में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों रिंकू सिंह और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को अवसर मिलना तय माना जा रहा है। डब्ल्यूटीसी फाइनल में लगातार दूसरी हार के बाद इस बात की काफी संभावना है कि चयन समिति और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अगले डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए कुछ विकल्पों पर जरुर ध्यान देंगे।

चयन समिति के पूर्व सदस्य देवांग गांधी ने कहा, ''आपको संतुलन बनाना ही होगा। चयन और टीम से बाहर होना एक प्रक्रिया है लेकिन आपको युवाओं और अनुभव के मिश्रण की आवश्यकता है। टीम संयोजन में आपको लंबी योजना के साथ आगामी दो साल के चक्र को भी देखना होगा। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि यशस्वी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। उसने रणजी, ईरानी और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक बनाया है। वहीं टी20 अंतराष्ट्रीय प्रारूप के लिए टीम चयन के लिए चयनकर्ताओं के पास विकल्प की कोई कमी नहीं होगी। अगले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले इस प्रारूप में हार्दिक पंड्या का कप्तान रहना लगभग तय है। टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को

मौका मिलेगा जिसमें रिंकू और जितेश जैसे खिलाड़ियों को जगह मिलना लगभग तय है। टीम में रुतुराज गायकवाड़ की वापसी के साथ ही यशस्वी और आईपीएल में शानदार गेंदबाजी करने वाले मोहित शर्मा को भी अवसर मिल सकता है।

भारतीय कप्तान बनने वाले हैं पिता, मैदान में जीत के बाद फैंस के साथ ऐसे शेयर की गुड न्यूज

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री जल्द ही पापा बनने वाले है। इस गुड न्यूज को सुनील छेत्री ने मैच में जीत हासिल करने के बाद मैदान पर खास अंदाज में दर्शकों के साथ साझा किया। इंटरकांटिनेंटल कप के दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने 12 जून को वनुआतु को 1-0 से मात दी। इस मुकाबले में इकलौता गोल सुनील छेत्री ने किया, जिसकी बदौलत भारतीय टीम का फाइनल का टिकट पक्का हुआ। भारतीय टीम इस पूरे मकुाबले के दौरान वनुआतु की टीम पर हावी रही। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 164 वें स्थान पर काबिज वनुआतु को मात दी है। इस मुकाबले में सुनील छेत्री ने 81वें मिनट पर गोल किया और टीम को जीत दिलाई। इस मुकाबले के दौरान सुनील छेत्री ने गेंद को अपने जर्सी में छिपा लिया। उन्होंने स्टेडियम में मौजूद अपनी पत्नी को देखते हुए खास अंदाज में जश्न मनाया। वहीं जिस तरह से छेत्री ने मैदान पर जश्न मनाया उससे उन्होंने बता दिया है कि वो पिता बनने के लिए बेहद उत्साहित है।

बिपरजॉय चक्रवात कच्छ के मांडवी तथा जखौ के बीच आगामी 15 जून को टकराएगा

गांधीनगर । चक्रवाती तूफान बिपोरजॉय लतातार गुजरात की ओर बढ़ रहा और इसके 15 जून को कच्छ जिले के मांडवी और जखौसे टकराने की संभावना है। गुजरात सरकार पल पल बदल रही स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं7 प्रभावित जिलों में बचाव कार्य युद्धस्तर जारी है7 चक्रवात प्रभावित जिलों एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को तैनात कर दिया गया है7 राहत आयुक्त आलोक कुमार पांडे ने मंगलवार को कहा कि गुजरात में बिपोरजॉय चक्रवात से जनहानि को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा पूरी सतर्कता बरती जा रही है। मुख्य सचिव राज कुमार ने मंगलवार को गांधीनगर से तटवर्ती ज़िलों कच्छ, जामनगर, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, जूनागढ़ ,गिर सोमनाथ मोरबी तथा राजकोट ज़िलों के प्रभारी मंत्रियों, प्रभारी सचिवो, ज़िलाधीशों एवं ज़िला प्रशासन के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बचाव-राहत कार्यों की स्थिति का जायजा लिया तथा आवश्यक मार्गदर्शन दिया। जिसमें कच्छ से केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, मंत्री ऋषिकेश पटेल, राज्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया, मोरबी से मंत्री कनु देसाई, राजकोट से मंत्री राघवजी पटेल और पोरबंदर से मंत्री कुंवरजी बावळिया ने उपस्थित रहकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। राहत आयुक्त पांडे ने जिला प्रशासन की तैयारियों और समीक्षा बैठक में चर्चा के मामलों की जानकारी देते हुए कहा कि चक्रवात से कम से कम नुकसान हो इस उद्देश्य के साथ राज्य सरकार द्वारा अभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने के कार्य पर काफी जोर दिया जा रहा है। प्रभावित जिलों में अब तक कुल 20 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने का कार्य अभी भी प्रगति पर है , जो आज शाम तक पूरा हो जायेगा। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि जूनागढ़ जिले में अब तक 500, कच्छ में 6786, जामनगर में 1500, पोरबंदर में 543, द्वारका में 4820, गिर सोमनाथ में 408, मोरबी में 2000 और राजकोट में 4031 समेत कुल मिलाकर 20588 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। राहत आयुक्त ने कहा कि चक्रवात प्रभावित ज़िलों में ह्ष्ठक्र्न की 17 और स्ष्ठक्र्न की 12 टीमों को तैनात किया गया है। ह्ष्ठक्र्न की कच्छ में 4, देवभूमि द्वारका में 3, राजकोट में 3, जामनगर में 2 तथा जूनागढ़, पोरबंदर, गिर सोमनाथ, मोरबी तथा वलसाड में एक-एक टीम तैनात की गयी है। इसके अलावा वडोदरा में 3 और गांधीनगर में 1 टीम को रिजर्व रखा गया है। स्ष्ठक्र्न की कच्छ, जामनगर और देवभूमि द्वारका में दो-दो टीमें हैं, जबकि जूनागढ़, पोरबंदर, गिर सोमनाथ, मोरबी, पाटण तथा बनासकांठा में एक-एक टीम तैनात है। इसके अलावा सूरत में एक टीम को रिजर्व रखा गया है। चक्रवात के बाद बिजली आपूर्ति को बहाल करने के लिए पश्चिम गुजरात वीज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) की टीमों द्वारा बिजली के खंभों सहित आवश्यक उपकरण सब स्टेशनों में उपलब्ध कराए गए हैं। पांडे ने कहा कि प्रभावित तटीय ज़िलों में सरकारी स्कूलों-कार्यालयों में सुरक्षित स्थानों पर शेल्टर होम तैयार किए गये हैं।जहाँ रहने, खाने और दवा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गयी हैं। इसके अलावा आस-पास के स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी व निजी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में मेडिकल स्टाफ व दवा सहित अन्यआवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई है। मौसम विभाग द्वारा तूफान की अग्रिम चेतावनी के बाद मछुआरे सकुशल लौट आए हैं। पांडेय ने आगे कहा कि राज्य सरकार बचाव कार्य के लिए संबंधित जिला प्रशासन को तत्काल सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए लगातार संपर्क में है।

बिपोरजॉय चक्रवात के कारण तटीय क्षेत्रों के उद्योग-व्यवसाय के बंद रहने से होगा करोड़ों का नुकसान

अहमदाबाद। चक्रवाती तूफान बिपोरजॉय के आगामी 15 जून को गुजरात से टकराने की संभावना है। चक्रवात गुजरात से टकरायेगा या उससे पहले कमजोर होगा, यह आनेवाला वक्त ही बताएगा। लेकिन चक्रवात के कारण तटीय क्षेत्रों के उद्योग-व्यवसाय ठप हो गए हैं। जिसकी वजह से 10 हजार से भी ज्यादा ट्रकों के पहिए रुक गए हैं। खासकर कच्छ के गांधीधाम, कंडला के अलावा जामनगर के उद्योगों पर चक्रवात का बुरा असर हुआ है। मोरबी और जामनगर जिले की बात करें तो दोनों जगह 15 जून तक उद्योगों के बंद रहने से करीब 350 करोड़ के आर्थिक नुकसान का अनुमान है। मोरबी में करीब 700 जितनी फैक्ट्रियां हैं जो 15 जून तक पूरी तरह से बंद रहेंगी, जिसकी वजह से लगभग 100 करोड़ रुपए के नुकसान की आशंका है। गांधीधाम के उद्योग बंद होने की वजह से 200 करोड़ के नुकसान का अनुमान है। कच्छ में करीब 5 हजार जितने छोटे-बड़े नमक उद्योग हैं, जिसमें 50 हजार से भी अधिक लोग काम करते हैं। इसी प्रकार ट्रांसपोर्ट और बंदरगाह भी तीनदिनों के लिए बंद होने की वजह से 200 करोड़ के नुकसान का अनुमान है। चक्रवात के कारण अगर बिजली आपूर्ति ज्यादा समय तक बाधित रही तो नुकसान का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। जामनगर में ऐहतियात के तौर पर 15 जून तक औद्योगिक इकाइयां बंद रहनेवाली हैं। जामनगर में करीब 8 हजार जितनी औद्योगिक इकाइयां हैं। जिसमें 6 हजार इकाइयां एमएसएमई ब्रास यूनिट की हैं। 1500 यूनिटों में खाद्य तेल, नमक, बंदरगाह, रिलायंस और एस्सार जैसी रिफाइनरी, कोटन जिनिंग और स्पीनिंग यूनिट्स हैं। इन इकाइयों के बंद रहने से करीब 50 करोड़ के नुकसान की संभावना है। अब चक्रवात गुजरात से टकराए या नहीं लेकिन ऐहतियात के तौर पर तटीय क्षेत्रों के उद्योग-व्यवसायों के 15 जून तक बंद रहने से करोड़ों का नुकसान होना तो तय है।

समुद्री तट से 10 किमी का दायरा खाली कराया, लोगों को भेजा सुरक्षित जगह

जखाऊ। चक्रवात 'बिपारजॉय' के चलते समुद्र से दस किमी के दायरे में बसने वाले लोगों को सुरक्षित जगह पर भेजने का सिलसिला शुरु हो गया है। गुजरात के तटीय क्षेत्र के पास कच्छ जिले में जखाऊ बंदरगार के निकट पहुंचने की संभावना के मद्देनजर मंगलवार को बचाव अभियान को और तेज कर दिया है। इसी क्रम में सरकार तट से 10 किलोमीटर के इलाके में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है। कच्छ, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, जामनगर, जूनागढ़ और मोरबी तटीय जिलों के प्राधिकारियों ने तटरेखा के निकट रह रहे लोगों को किसी सुरक्षित जगह ले जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। तट से 10 किलोमीटर के इलाके में रह रहे हजारों लोगों को मंगलवार से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोशल मीडिया पर कहा कि वीएससीएस बिपारजॉय 13 जून, 2023 को भारतीय समयानुसार देर रात ढाई बजे (सोमवार को आधी रात के बाद) पूर्वोत्तर और आस-पास के पूर्वी मध्य अरब सागर में पोरबंदर से लगभग 290 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम और जखाऊ बंदरगाह से 360 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में केंद्रित था।

चक्रवात 15 जून की शाम तक वीएससीएस के रूप में जखाऊ बंदरगाह के पास सौराष्ट्र और कच्छ से गुजरेगा। गुजरात के राहत आयुक्त आलोक पांडे ने अहमदाबाद में संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि इस चक्रवात से कोई जनहानि न हो।

पांडे ने बताया कि बचाव अभियान मंगलवार से दो चरणों में शुरू किया गया है और सबसे पहले समुद्र तट से पांच किलोमीटर तक की दूरी पर रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। इसके बाद तट से पांच से 10 किलोमीटर की दूरी पर रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाएगा और इस दौरान बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को प्राथमिकता दी जाएगी। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के 12-12 दलों को चक्रवात से प्रभावित हो सकने वाले जिलों में तैनात किया गया है और लोगों के आवास, भोजन और दवाओं की व्यवस्था की गई है।

उधर प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नयी दिल्ली में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने का निर्देश दिया कि राज्य सरकार संवेदनशील स्थानों में रह रहे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाले। अधिकारियों ने बताया कि जखाऊ में बचाव अभियान सोमवार को ही आरंभ हो गया था। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात की चेतावनी के बाद से कांडला में देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बंदरगाह पर नौवहन गतिविधियां बंद कर दी गई हैं और श्रमिकों सहित लगभग 3,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है। मछली पकड़ने संबंधी गतिविधियों को पूरी तरह से निलंबित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने चक्रवात के संभावित संकट के चलते पैदा हुए हालात की उच्चस्तरीय बैठक में समीक्षा की

अहमदाबाद । गुजरात के तटीय क्षेत्रों में मंडरा रहे चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' के संभावित संकट के चलते उत्पन्न हुए हालात का अंदाजा लगाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सोमवार शाम गांधीनगर स्थित स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर पहुंचे। उन्होंने उच्चस्तरीय बैठक बुलाकर तटीय इलाकों में बरसात, तीव्र गति से चल रही हवाओं और वातावरण में आए बदलाव की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री को विस्तार से इस बात की जानकारी दी गई कि 8 तटवर्ती जिलों की 25 तहसीलों के समुद्र से 0 से 5 किलोमीटर और 5 से 10 किलोमीटर के क्षेत्र में बसे 441 गांवों की लगभग 16 लाख 76 हजार आबादी को इस चक्रवाती तूफान के परिणामस्वरूप संभावित वर्षा, तेज हवाओं और समुद्र की ऊंची उठती लहरों की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। सुरक्षा और सलामती के उपायों के भाग के रूप में अब तक कच्छ, पोरबंदर, जूनागढ़, जामनगर, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, मोरबी और राजकोट सहित कुल 8 जिलों में 6827 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इन आठ जिलों में 6041 नमक श्रमिक रहते हैं, जिनमें से 3243 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। समीक्षा में स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों के संबंध में बताया गया कि विभाग द्वारा आवश्यक दवाइयां तथा अन्य सामग्री के भंडार की व्यवस्था की गई है। इन जिलों में स्थित लगभग 521 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और अस्पतालों को स्वास्थ्यङ्करक्षक दवाइयों, जनरेटर और संसाधनों से सुसज्जित किया गया है। बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों में 157 एंबुलेंस सेवाएं भी उपलब्ध हैं। मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान में आगामी 14 और 15 जून को इन आठ जिलों में भारी वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। इस संदर्भ में बरसात के कारण जनहानि या पशुहानि या बड़े नुकसान को रोकने के लिए पर्याप्त तैयारियां की गई हैं। सड़क एवं मकान विभाग ने 95 टीमें बनाकर मंगलवार दोपहर तक इन जिलों में पहुंचाने की व्यवस्था की है। इतना ही नहीं, ऊर्जा विभाग ने 577 टीमों को स्टैंडबाय पर रखा है और इस बात को लेकर भी वह सतर्क है कि इन आठ जिलों के 6950 फीडरों से होने वाली बिजली आपूर्ति प्रभावित न हो। भारी वर्षा या चक्रवात से कच्चे मकानों, झुग्गियों या निचले इलाकों जहां पानी भर जाता है, वहां लोगों की सुरक्षा और आवश्यकता पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्य के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें भी तैनात की गई हैं। इसके अनुसार, कच्छ जिले में एनडीआरएफ की 3 टीमें तथा एसडीआरएफ की 2 प्लाटून तैनात की गई हैं। राजकोट में एनडीआरएफ की 3 टीमें भेजी गई हैं। जामनगर और देवभूमि द्वारका में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 2-2 टीमें भेजी गई हैं। मोरबी, पोरबंदर, गिर सोमनाथ और जूनागढ़ में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 1-1 टीमें तैनात की गई हैं। वलसाड़ में एनडीआरएफ की 1 तथा पाटण और बनासकांठा में एसडीआरएफ की 1-1 टीमें भेजी गई हैं। गांधीनगर में एनडीआरएफ की 1 टीम और सूरत में एसडीआरएफ की 1 टीम रिजर्व रखी गई हैं। इस तरह, एनडीआरएफ की 15 टीमें तैनात और 6 टीमें रिजर्व सहित कुल 21 टीमें तैयार की गई हैं।

एसडीआरएफ की 12 टीमें तैनात और 1 टीम रिजर्व सहित कुल 13 टीमें तैयार की गई हैं। एहतियाती कदम के रूप में इन तटीय क्षेत्रों के आठ जिलों में कुल 1469 होर्डिंगों को हटा दिया गया है। भारी वर्षा या चक्रवात के चलते संचार प्रणाली यदि प्रभावित होती है तो उससे निपटने के लिए सैटेलाइट फोन, हेम रेडियो ऑपरेटर और जी-स्वान नेटवर्क की सेवाएं भी एहतियातन तैयार रखी गई हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस बात की सराहना की कि इस संभावित चक्रवाती तूफान के संकट से निपटने के लिए राज्य के विशेषकर 8 तटीय जिलों के प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी पूर्ण क्षमता से सतर्क हैं और जान-माल के कम से कम नुकसान की प्रतिबद्धता के साथ दिन-रात कार्यरत हैं।

भारतीय रेल दक्षिण भारत के विभिन्न तीर्थ स्थलों के लिए शुरू करेगी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

अहमदाबाद । रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे के माध्यम से देश के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों को जोड़ते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए भारत गौरव ट्रेनों की शुरुआत की गई है। अब तक देश भर में भारत गौरव ट्रेनों के 29 फेरे चलाए जा चुके हैं। इस अनूठी पहल को आगे बढ़ाते हुए भारतीय रेल खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा 23 जून, 2023 को साबरमती स्टेशन से श्री रामेश्वरम तिरुपति दक्षिण दर्शन यात्रा शुरू की जाएगी। यात्रा 08 दिनों तक चलेंगी। अधिक जानकारी और ऑनलाइन बुकिंग के लिए कृपया www.irctctourism.com/bharatgaurav पर जा सकते हैं या 8287931718/9321901849 पर कॉल कर सकते हैं।

यह यात्रा साबरमती से शुरू होगी तथा 7 रातों एवं 08 दिनों (23 जून से 30 जून, 2023 तक) के दौरे में पांच तीर्थ स्थलों को कवर करेगी। टूर पैकेज की कीमत स्टैंडर्ड 3एसी के लिए 27,500 रुपए और इकोनॉमी स्लीपर क्लास के लिए 15,900 रुपए प्रति व्यक्ति होगा। ट्रेन में यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरै और कन्याकुमारी जाने का अनूठा अवसर मिलेगा। सभी रेल यात्रियों के लाभ के लिए गुजरात एवं महाराष्ट्3 राज्योंर के 9 महत्वपूर्ण स्टेशनों पर बोर्डिंग (और यात्रा के अंत में उतरने) की सुविधा प्रदान की गई है। इस पवित्र यात्रा का पहला दिव्य पड़ाव तिरुपति बालाजी मंदिर के दर्शन के लिए रेणिगुंटा स्टेशन पर होगा। इसके बाद यात्रा अगले दिन पद्मावती मंदिर के दर्शन के लिए आगे बढ़ेगी। अगले दिन तीर्थयात्री रामेश्वरम रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे और रामनाथस्वम ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन करेंगे। इसके बाद यात्री मीनाक्षी मंदिर के दर्शन के लिए मदुरै जाएंगे। अंत में, यात्री नागरकोविल स्टेशन की ओर बढ़ेंगे और स्वयं विवेकानंद रॉक मेमोरियल, कन्याकुमारी मंदिर, सनसेट और सनराइज पॉइंट गांधी मंडपम और कन्याकुमारी समुद्र तट पर जाएंगे। यह ट्रेन रेल यात्रियों को उनकी यात्रा संबंधी सभी जरूरतों का ख्याल रखते हुए समग्र सेवा प्रदान करेगी। टूर पैकेज में सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन सहित), स्टैंगडर्ड 3एसी के लिए एसी बजट होटलों में आवास सुविधा और इकॉनोमी स्लीपर क्लास के लिए गैर-एसी बजट होटल, ट्विन और ट्रिपल शेयरिंग आधार पर कमरे, धुलाई और कपड़े बदलने की सुविधा, खानपान की व्यवस्था (सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना - ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड दोनों), प्रोफेशनल और मैत्रीपूर्ण टूर एस्कॉर्ट्स की सेवाएं, ट्रेन में सुरक्षा - सभी कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, सभी कोचों में जन उद्घोषणा सुविधा, यात्रा बीमा और यात्रा सहायता के लिए यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी टूर प्रबंधकों की उपर्-स्थिति शामिल हैं।

कनाडा की स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम के लिए टोफेल आईबीटी को स्वीकृति मिली

सूरत । ईटीएस ने आज यहां एक प्रेस वार्ता में घोषणा की कि कनाडा की स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम (एसडीएस) में इस्तेमाल के लिए, टोफेल आईबीटी टैस्ट को इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटीजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) की स्वीकृति मिल गई है। एसडीएस एक तीव्र स्टडी परमिट प्रोसेसिंग प्रोग्राम है जो कनाडा के उत्तर माध्यमिक नामित शिक्षण संस्थानों में नामांकन चाहने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए उपयोगी है।

इस बारे में बात करते हुए, ईटीएस इंडिया के चीफ रेवेन्यू ऑफिसर, लेजो सैम ओमेन ने कहा, "हमें प्रसन्नता है कि टोफेल आईबीटी को कैनेडा के स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम के लिए स्वीकार किया गया है। यह कदम भारतीय छात्रों के लिए बहुत लाभदायक होगा, जो हर साल कैनेडा में अध्ययन करने के लिए इस मार्ग का चुनाव करते हैं। इस कदम के साथ, कैनेडा के संस्थानों को एक बड़े आवेदक आधार से चयन करने का विकल्प मिलेगा, जिससे उनके कैम्पस में और विविध समूह का गठन होगा।

टोफेल आईबीटी को शामिल किए जाने से परीक्षार्थियों के पास अब यह चयन करने का विकल्प रहेगा कि कौन सा टैस्ट उनके लिए सबसे अच्छा साबित होगा। पहले, एसडीएस रूट के लिए केवल अंग्रेजी भाषा के टैस्ट का विकल्प ही मौजूद था।

छात्र 10 अगस्त, 2023 से अपने एसडीएस आवेदन में टोफेल आईबीटी का स्कोर भेजना शुरू कर सकते हैं। TOEFL iBT परीक्षा के स्कोर दो साल तक मान्य होते हैं, इसलिए जिन छात्रों ने स्ष्ठस् आवेदन की तारीख से 2 साल के अंदर किसी टेस्ट सेंटर पर TOEFL iBT परीक्षा दी है, उन्हें पुन: परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होगी। आईआरसीसी के अनुसार, जब तक सभी पात्रता आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है, तब तक अधिकांश एसडीएस आवेदन 20 दिनों के भीतर प्रोसेस कर लिए जाते हैं। योग्यता मानदंड सहित, एसडीएस के लिए आवेदन करने के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया कनाडा सरकार की वेबसाइट देखें।

टोफेल आईबीटी टैस्ट पहले से ही 100 फीसदी कनाडाई विश्वविद्यालयों द्वारा स्वीकार किया जाता है और यह दुनिया की सबसे व्यापक रूप से स्वीकृत अंग्रेजी भाषा की परीक्षा भी है, जिसका उपयोग दुनिया भर के 160 से अधिक देशों में 12,000 से अधिक संस्थानों द्वारा किया जाता है। आज की घोषणा ईटीएस की एक नवीनतम घोषणा के बाद की गई है कि जुलाई 2023 से टोफेल आईबीटी टैस्ट को लागू किया जा रहा है। यह टैस्ट तीन प्रमुख अंग्रेजी-भाषा परीक्षण विकल्पों में सबसे छोटा

बादाम के साथ मनाएं अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस :अपनी तंदुरूस्ती को बढ़ाएं और अपने शरीर को पोषण दें

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है और हमारे जीवन पर योगा के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है। योगा शरीर, मन और आत्मा के बीच तालमेल बिठाने की अपनी गहन क्षमता के साथ, हमें इष्टतम स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती की दिशा में मार्गदर्शन करता है। और इस परिवर्तनकारी अनुभव को बढ़ाने के लिए एक स्वस्थ और संतुलित आहार अपनाने और हर दिन बादाम जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने से बेहतर तरीका क्या हो सकता है?

अपने 15 आवश्यक पोषक तत्वों के साथ, बादाम असंख्य स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं जो योगा के अभ्यास के पूरक हैं। ये हेल्दी नट्स प्रतिरक्षा का समर्थन करने, वजन और मधुमेह प्रबंधन में मदद करने, हृदय और त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ अन्य लाभों के लिए जाने जाते हैं। बादाम फाइबर, प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, विटामिन ई, जिंक, कॉपर, मैग्नीशियम और कई अन्य पोषक तत्वों का प्राकृतिक स्रोत हैं जो अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। यहां कुछ प्रमुख कारण बताए गए हैं कि आपको अपने दैनिक आहार में मुट्ठी भर बादाम क्यों शामिल करने चाहिए।

ऊर्जा- बादाम एक उत्तम स्नैक विकल्प हैं क्योंकि वे ऊर्जा का एक स्वस्थ स्रोत हैं जो बदले में आपको सक्रिय रखने में मदद कर सकते हैं। यह बदले में आपको अपने योगा आसनों को आसानी से करने में मदद करता है। मांसपेशियों की पुनर्प्राप्ती और सुधारना- योगा में विभिन्न मांसपेशी समूहों को खींचना और मजबूत करना शामिल है। पोषण अनुसंधान के अनुसार बादाम खाने से मांसपेशियों की पुनर्प्राप्ती को बढ़ावा मिलता है और व्यायाम से आने वाली थकान कम होती है। इसलिए, योगा सत्र के बाद बादाम का सेवन करने से मांसपेशियों की पुनर्प्राप्ती में मदद मिल सकती है।

वजन प्रबंधन- एक स्वस्थ शरीर का वजन बनाए रखना इष्टतम स्वास्थ्य और आपके योगा अभ्यासों को बढ़ाने के लिए आवश्यक है। बादाम तृप्ति प्रदान करते हैं, भूख को कम करते हैं और आपके वजन को प्रबंधित करने में मदद करते हैं। यह हेल्दी फैट्स, प्रोटीन और फाइबर का संयोजन आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जो आपको अस्वास्थ्यकर स्नैक्स खाने की आपकी इच्छा को रोकने में मदद करता है। हृदय स्वास्थ्य- नियमित योगाभ्यास हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, और बादाम स्वस्थ हृदय में और योगदान दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बादाम में सोडियम की मात्रा कम होती है और इसमें कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है, जो उन्हें हृदय-स्वस्थ नाश्ता विकल्प बनाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)